TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 10
बुधवार, 15 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कारगिल विजय हमारे अटूट संकल्प, सैन्य शक्ति का प्रतीकः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 14 जुलाई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों ने दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर को दोबारा अपने नियंत्रण में लिया। उन्होंने कहा कि यह विजय भारत के उस अटूट संकल्प का प्रतीक है कि देश हमारी भूमि, पहचान और सम्मान पर किसी भी शत्रुतापूर्ण दुस्साहस का पूरी ताकत से जवाब देगा।

उन्होंने यह बात दिल्ली के राष्ट्रीय समर स्मारक से लद्दाख के द्रास में कारगिल समर स्मारक तक मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए कही। यह अभियान 1999 के ऑपरेशन विजय के 27 साल पूरे होने के मौके पर देश भर में हो रहे समारोहों का हिस्सा है। तेरह दिवसीय शौर्य विजय यात्रा में 28 प्रतिभागी शामिल हैं। इनमें रक्षा बलों के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। ये सभी उत्तरी हिमालय के दुर्गम भूभाग से गुजरते हुए 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। यह यात्रा 1999 के कारगिल युद्ध में विजय सुनिश्चित करने वाले भारतीय वीरों के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। यात्रा का आदर्श वाक्य है 'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम'। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस अभियान के दौरान, प्रतिभागी राष्ट्रीय समर स्मारक की पवित्र मिट्टी से भरा कलश लेकर चलेंगे, जिसे शहीदों की स्मृति में कारगिल में अर्पित किया जाएगा। सिंह ने कहा, "जब यहां (राष्ट्रीय समर स्मारक) की मिट्टी कारगिल की मिट्टी से मिलेगी, तो यह राष्ट्र की वर्तमान पीढ़ी की श्रद्धा और राष्ट्र के नायकों की वीरता के संगम का प्रतीक होगी।"

उन्होंने सैन्यकर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि कहा कि इन सैनिकों ने "अदम्य साहस, धैर्य, अनुशासन और अद्वितीय देशभक्ति का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है, जिसका विश्वभर की सेनाएं आज भी अध्ययन करती हैं और सम्मान करती हैं।" रक्षा मंत्री ने कहा, "लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई और शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस तक नीचे के तापमान में, हमारे सैनिकों ने साहस और दृढ़ता के साथ अपने लक्ष्य को प्राप्त किया। उन्होंने दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर को वापस ले लिया और तिरंगे का गौरव बनाए रखा।" सिंह ने कहा, "(कारगिल युद्ध में) यह विजय हमारी भूमि, पहचान और सम्मान पर किसी भी शत्रुतापूर्ण दुस्साहस का पूरी शक्ति से जवाब देने के भारत के अटूट संकल्प का प्रतीक है।" रक्षा मंत्री ने परम वीर चक्र से सम्मानित सभी भारतीय वीर सैनिकों, जिनमें कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) और सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) संजय कुमार (सेवानिवृत्त) को युद्ध में विजय सुनिश्चित करने में उनके अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ये वीर सैनिक युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। यात्रा के दौरान, टीम के सदस्य चंडीमंदिर युद्ध स्मारक, रेजांग ला युद्ध स्मारक और लेह युद्ध स्मारक सहित प्रमुख सैन्य स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। अपने अभियान के दौरान वे वीरांगनाओं से भी भेंट करेंगे। इस अभियान का समापन 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस पर कारगिल युद्ध स्मारक पर होगा। ऑपरेशन विजय 1999 में पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद उसके खिलाफ भारत द्वारा चलाए गए सीमित सैन्य अभियान का नाम था। कारगिल विजय दिवस 1999 के इस संघर्ष में ऑपरेशन विजय की सफलता की याद में मनाया जाता है।

ट्रंप का बड़ा 'यू-टर्न': स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से हटाया 20% शुल्क, ईरान के खिलाफ सख्त नाकेबंदी का ऐलान

अमेरिका, 14 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़े कूटनीतिक और आर्थिक फैसले में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर लगाए जाने वाले 20% शुल्क के प्रस्ताव को वापस ले लिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस फैसले की जानकारी देते हुए इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सेना की ताकत के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य अब सभी जहाजों के लिए खुला है, सिवाय ईरान के। उन्होंने ईरान के खिलाफ पूर्ण नाकेबंदी की घोषणा की है, जिसके तहत ईरानी बंदरगाहों से आने-जाने वाले या ईरानी कार्गो ले जाने वाले जहाजों पर कड़ी पाबंदी रहेगी। ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व को हिंसक और दुर्भावनापूर्ण करार देते हुए कहा कि यह कार्रवाई ईरान को विनाश के रास्ते से रोकने के लिए जरूरी है।

20% शुल्क को हटाने के पीछे ट्रंप ने खाड़ी देशों के साथ हुई ₹सकारात्मक बातचीत₹ का हवाला दिया है। इस शुल्क के बदले अब विभिन्न खाड़ी देश अमेरिका में बड़े पैमाने पर व्यापार और निवेश करेंगे। ट्रम्प के अनुसार, इस ऐतिहासिक निवेश से अमेरिका में फैक्ट्रियां और कारखाने लगेंगे, जिससे लाखों उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा होंगी।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में अमेरिकी सैन्य नेतृत्व युद्ध सचिव पीट हेगसेथ, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन और सेंट्रल कमांड के एडमिरल ब्रैड कूपर की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान के कारण होने वाली हिंसा के दिन अब खत्म हो गए हैं और ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। इस फैसले को वैश्विक व्यापार और मध्य पूर्व की राजनीति में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिससे एक ओर ईरान पर दबाव बढ़ेगा और दूसरी ओर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मलिक का निधन, 83 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

रांची, 14 जुलाई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री मन्नान मलिक का मंगलवार को रांची के एक अस्पताल में निधन हो गया। चिकित्सा संस्थान के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मलिक 83 वर्ष के थे। उन्होंने बताया कि मलिक को फेफड़ों में संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह फेफड़ों संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में उनका उपचार किया जा रहा था। अधिकारी के अनुसार, मलिक ने मंगलवार सुबह अंतिम सांस ली। मलिक का पार्थिव शरीर दोपहर में झारखंड विधानसभा लाया गया, जहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो और अन्य विधायकों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

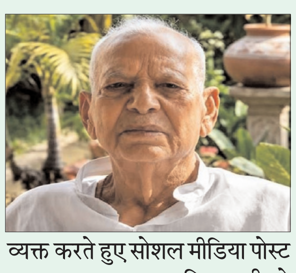

सोरेन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा, मन्नान मलिक जी ने जनसेवा और सार्वजनिक जीवन के अपने लंबे कार्यकाल के माध्यम से झारखंड, विशेषकर धनबाद के लोगों की आवाज को मजबूती से उठाया। उनके निधन से राज्य ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यों से जुड़े नेता को खो दिया है। महतो ने कहा, मलिक जी अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के प्रति समर्पित रहे और उन्होंने लगातार जनता की आवाज उठाई। उनका निधन झारखंड की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मलिक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, ₹मलिक जी ने अपना पूरा जीवन जनसेवा, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने अपनी सादगी, ईमानदारी और जनहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से झारखंड की राजनीति में एक अलग पहचान बनाई थी। उनका निधन न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। मलिक दो दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहे। उन्होंने 2009 में धनबाद विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज सिन्हा को 890 मतों से हराया था।

पीओके में प्रदर्शन दौरान भड़की हिंसा; पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की फायरिंग में 6 नागरिकों की मौत

नई दिल्ली, 14 जुलाई। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। रावलाकोट में सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारियों और पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के बीच झड़पें हुईं, जिनमें कम से कम छह नागरिकों की मौत हो गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रावलाकोट के न्यू बस टर्मिनल के पास पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा कार्रवाई के बाद हालात बिगड़ गए। झड़पों के दौरान सुरक्षाबलों ने गोलीबारी की, जिसमें छह नागरिकों की जान चली गई। मृतकों में जाहिद मुगल, जफर मुगल, अरसलान अकबर और वाजिद हयात शामिल हैं। वाजिद हयात की मौत रावलाकोट के मटियाल मीरा बस टर्मिनल पर हुई।

हिंसा से एक दिन पहले अमेरिका में रह रहे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों ने व्हाइट हाउस के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि PoK में मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन हो रहा है। करीब 100 लोगों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और पाकिस्तानी सेना को नागरिक इलाकों से हटाने की मांग की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप करने की भी अपील की। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि लंबे समय से इंटरनेट सेवाएं बंद होने के कारण करीब 40 लाख लोग बाहरी दुनिया से कट गए हैं। उन्होंने पुंछ और डोडा सेक्टर के जरिए नियंत्रण रेखा खोलकर मानवीय सहायता पहुंचाने की मांग भी की। रिपोर्टों के अनुसार, PoK में खाद्य संकट लगातार बढ़ रहा है। खेती और पशुपालन पर निर्भर बड़ी आबादी भोजन की कमी से जूझ रही है।

बताया गया है कि 57 प्रतिशत से अधिक परिवार खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं, जबकि पहाड़ी इलाकों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बच्चों में कुपोषण और मातृ मृत्यु दर भी चिंता का विषय बनी हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि PoK में जारी प्रदर्शन पाकिस्तान द्वारा वर्षों से किए जा रहे व्यवस्थित शोषण, मौलिक अधिकारों के हनन और प्रशासनिक दमन का परिणाम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान सरकार लोगों की जायज मांगें सुनने के बजाय पुलिस बल का इस्तेमाल कर रही है, इंटरनेट बंद कर रही है, खाद्य और दवाइयों जैसी जरूरी आपूर्ति रोक रही है तथा निहत्थे नागरिकों पर घातक बल का प्रयोग कर रही है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से नागरिकों पर कार्रवाई के लिए पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने की अपील की।

जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 14 जुलाई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की आलोचना की, क्योंकि जून में खुदरा महंगाई दर मई के 3.93 प्रतिशत से बढ़कर 4.38 प्रतिशत हो गई, जो भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूंजीपतियों का संरक्षक बताया और सरकार पर आरोप लगाया कि वह यह सुनिश्चित करती है कि मुनाफा पूंजीपतियों को मिले, जबकि आम लोग महंगाई की मार झेलें।

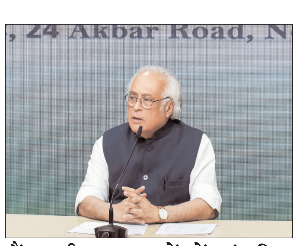

उन्होंने पर लिखा कि मोदी सरकार के 12 सालों का असली सार यही हैः झूठे वादों की बौछार और जनता पर महंगाई व बेरोजगारी की क्रूर मार! मोदी सरकार के 12 सालों में महंगाई ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बैंक की ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी को लेकर चिंता जताई, जिससे घर और कार के लिए ज्यादा एटकके कारण मध्यम वर्ग पर बोझ बढ़ सकता है। उन्होंने सवाल किया कि मुनाफा तो पूंजीपतियों की जेब में जाता है, जबकि बोझ आम लोगों पर क्यों पड़ता है? पूंजीपतियों के संरक्षक प्रधानमंत्री मोदी आम लोगों की तकलीफों के बारे में कब बोलेंगे? सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को आंकड़े जारी किए, जिनसे पता चलता है कि जून में खुदरा महंगाई बढ़ी है।

मेघालय में पति की हत्या की आरोपी सोनम की जमानत के खिलाफ याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 14 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में आरोपी सोनम रघुवंशी को मिली जमानत को चुनौती देने वाली मेघालय सरकार की याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई करेगा। सोनम पर साल 2025 में हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या करने का आरोप है।मध्य प्रदेश के इंदौर की रहने वाली आरोपी महिला को पिछले साल जून में अपने व्यवसायी पति राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला तब शुरू हुआ जब पिछले साल 23 मई को यह दंपत्ति मेघालय के सोहरा इलाके से लापता हो गया था और बाद में 2 जून 2025 को राजा रघुवंशी का शव एक गहरी खाई से मिला था। पुलिस का आरोप है कि सोनम रघुवंशी ने पैसों के लालच में भाड़े के हत्यारों के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की साजिश रची थी। मेघालय सरकार की ओर से दायर यह याचिका मंगलवार को न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी बी वराले की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई। सुनवाई के दौरान मेघालय का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से मामले की सुनवाई दोपहर दो बजे करने का अनुरोध किया था। हालांकि, आरोपी के वकील के आग्रह पर पीठ ने अब मामले की सुनवाई के लिए 21 जुलाई की तारीख तय कर दी है। शीर्ष अदालत ने 9 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई में कहा था कि वह इस कानूनी सवाल को एक बड़ी पीठ के पास भेज सकती है कि क्या गिरफ्तारी ज्ञापन में केवल टाइपिंग की गलती की वजह से गलत कानूनी धारा का उल्लेख करना, किसी की गिरफ्तारी को अमान्य करने और आरोपी को जमानत देने का पर्याप्त आधार हो सकता है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director

ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)

- 34+ Years of Academic Excellence
- Experienced & Dedicated Faculty
- Personal Attention
- Printed Notes & Regular Tests
- Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch
101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055

Sion Branch
Opp. SIES College (Old),
Near Gurukripa Hotel,
Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

राजस्थानी संस्कृति के अमर साधक के.सी. मालू

एक युग का अवसान, एक विरासत का अमरत्व

-ललित गर्ग

कुछ व्यक्तित्व केवल अपने जीवनकाल तक सीमित नहीं रहते, वे अपने समय की सांस्कृतिक चेतना बन जाते हैं। उनके जाने के बाद भी उनकी साधना समाज की स्मृतियों, संस्कारों और परंपराओं में जीवित रहती है। राजस्थानी लोकसंगीत, भाषा, साहित्य और संस्कृति के ऐसे ही युगपुरुष थे केसरी चंद (के.सी.) मालू। उनका निधन केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा के एक स्वर्णिम अध्याय का विराम है। उन्होंने अपने जीवन को जिस निष्ठा, समर्पण और तपस्वी भाव से राजस्थानी अस्मिता के संरक्षण में समर्पित किया, वह उन्हें सामान्य व्यक्तियों की श्रेणी से बहुत ऊपर स्थापित करता है। आज जब बाजारवाद और वैश्वीकरण की तेज आंधी में लोकसंस्कृतियां अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, तब के. सी. मालू जैसे व्यक्तित्वों का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरी सांस्कृतिक धरोहर को विलुप्त होने से बचा सकता है। उन्होंने राजस्थानी लोकधुनों एवं लोकगीतों को केवल संग्रहित नहीं किया, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी की धड़कनों तक पहुंचाया। उन्होंने संस्कृति को संग्रहालय की वस्तु नहीं बनने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की सांसों से जोड़ दिया। निश्चित ही वे लोकधुनों के सजग प्रहरी थे, संस्कृतिप्रेमी एवं कला-साधक थे।

संगीत उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि संस्कृति का प्राण था। उन्होंने हजारों लोकगीतों की पांडुलिपियां तैयार करवाईं, ध्वनिलिपियां बनवाईं, उनकी रिकॉर्डिंग करवाई और उन्हें सुरक्षित रखा। बिना किसी सरकारी सहायता के पांच हजार से अधिक लोकगीतों का संरक्षण अपने आप में विश्वस्तरीय सांस्कृतिक साधना है। यह कार्य किसी संस्थान के लिए भी कठिन माना जाता है, लेकिन उन्होंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया। यही कारण है कि आज राजस्थान की अनेक लोकधुनें, विवाह गीत, मांड, पणिहारी, घूमर, चिरमी और असंख्य लोकगाथाएं सुरक्षित हैं। वीणा म्यूजिक की स्थापना केवल एक व्यावसायिक संस्था की स्थापना नहीं थी, बल्कि यह राजस्थान की आत्मा को स्वर देने का अभियान था। उस दौर में जब लोककलाकार गुमनामी के अंधेरे में खो रहे थे, उन्होंने उन्हें मंच दिया, सम्मान दिया और पहचान दी। अनेक कलाकार, जिनकी प्रतिभा गांवों तक सीमित थी, उनके प्रयासों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचे। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि लोककला किसी क्षेत्र की सीमाओं में कैद नहीं होती, बल्कि वह पूरी मानवता की सांस्कृतिक धरोहर होती है। ऐसा प्रतीत होता है उनके जीवन की हर पात में संगीत की झंकार है। राजस्थानी संस्कृति, संगीत एवं लोकधुनों से जहां-जहां साक्षात्कार होगा, वहां-वहां के.सी. मालू के कदमों के निशान मिलेंगे। उनका मन एवं कर्म सृजनात्मक था।

के.सी. मालू की दृष्टि केवल संगीत तक सीमित नहीं थी। वे राजस्थानी भाषा के भी प्रखर प्रहरी थे। उनका मानना था कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक स्मृति होती है। राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, वह उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं अपनी माटी के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने देश और विदेश के अनेक मंचों पर राजस्थानी भाषा की गरिमा और उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचकर भी विनम्र बने रहे। उनके भीतर कलाकार का संवेदनशील हृदय, साहित्यकार की दृष्टि और समाजसेवी की आत्मीयता एक साथ दिखाई देती थी। वे जानते थे कि संस्कृति केवल पुस्तकों या मंचों से जीवित नहीं रहती, बल्कि लोगों के जीवन में उतरने से जीवित रहती है। इसलिए उन्होंने लोकसंगीत को गांवों से निकालकर शहरों तक और भारत से निकालकर विश्वभर के राजस्थानी समाज तक पहुंचाया।

वर्ष 1987 में अकाल पीड़ितों की सहायता के लिए लता मंगेशकर नाइट का आयोजन कर एक करोड़ रुपये की सहायता राशि जुटाना उनके सामाजिक दायित्वबोध का अद्भुत उदाहरण है। यह बताता है कि उनके लिए संगीत केवल कला नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम भी था। उन्होंने अपने संसाधनों और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित के लिए किया। आज जब कला का बड़ा हिस्सा केवल व्यवसाय बनता जा रहा है, तब के.सी. मालू का जीवन यह संदेश देता है कि कला का सर्वोच्च उद्देश्य समाज को समृद्ध बनाना है। उनके द्वारा संकलित 221 राजस्थानी विवाह गीतों का विशाल संग्रह विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। यह केवल गीतों का संग्रह नहीं, बल्कि राजस्थान की सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और सांस्कृतिक स्मृतियों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने यह समझ लिया था कि यदि लोकगीत बचेंगे तो लोकजीवन भी बचेगा। इसलिए उन्होंने संगीत के माध्यम से संस्कृति की रक्षा का महान कार्य किया।

मेरा उनसे संबंध केवल एक प्रशंसक का नहीं था, बल्कि आत्मीयता का था। मेरे पूज्य पिताजी स्व. श्री रामस्वरूप जी गर्ग जब भी जयपुर जाते थे, तो के.सी. मालू जी से अवश्य मिलते थे। दोनों के बीच साहित्य, संस्कृति, जैन दर्शन और समाज के विविध विषयों पर लंबी चर्चाएं होती थीं। उन चर्चाओं का उल्लेख मैं बचपन से सुनता आया हूं। उन संवादों में केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता था, बल्कि संस्कृति के भविष्य की चिंता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव भी दिखाई देता था। बाद में मुझे भी उनसे मिलने और उनके स्नेह का लाभ लेने का अवसर मिला। उनकी सहजता, आत्मीयता और विचारों की गहराई आज भी स्मृतियों में ताजा है। वे जब भी राजस्थान की संस्कृति की बात करते थे, उनके शब्दों में केवल जानकारी नहीं होती थी, बल्कि मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम झलकता था। वे मानते थे कि अपनी जड़ों से जुड़ा समाज ही भविष्य का निर्माण कर सकता है। शायद यही कारण था कि उन्होंने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी परंपरा को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने डिजिटल माध्यमों पर भी राजस्थानी संगीत को स्थापित किया, जिससे दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला राजस्थानी अपनी मिट्टी की सुगंध को महसूस कर सके।

आप एक सेतु बन सकते हैं खूबसूरत, जिन्दगी बांचने वाला एवं संस्कृति-संरक्षण करने वाला पुल। हम एक साथ मिलकर जीवन को संस्कृतिमय बना सकते हैं, जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते हैं, अंधेरों के बीच रोशनी बन सकते हैं। इसी सोच के साथ वीणा के संस्थापक के. सी. मालू का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि महानता पद, सत्ता या संपत्ति से नहीं आती, बल्कि उस विरासत से आती है जो व्यक्ति समाज को देकर जाता है। उन्होंने अपने पीछे न केवल हजारों गीतों का खजाना छोड़ा है, बल्कि असंख्य कलाकारों की मुस्कान, लाखों श्रोताओं की स्मृतियां और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का एक अमूल्य स्रोत भी छोड़ा है। यही किसी भी जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। आज उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए मन बार-बार यही कहता है कि कुछ लोग शरीर से विदा होते हैं, किंतु अपने कार्यों के कारण कभी विदा नहीं होते। के. सी. मालू भी ऐसे ही अमर व्यक्तित्व हैं। जब भी राजस्थान की धरती पर घूमर की थाप गूंजेगी, मांड की मधुर स्वर-लहरियां बहेंगी, विवाह गीतों में लोकसंस्कृति का उल्लास झलकेगा, तब-तब उनकी साधना स्मरण की जाएगी। वे हर उस स्वर में जीवित रहेंगे, जिसमें राजस्थान की माटी की सुगंध होगी। मालू का जीवन एक संदेश है कि संस्कृति का संरक्षण किसी सरकार का नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक सजग व्यक्ति का दायित्व है। यदि एक व्यक्ति संकल्प ले ले तो वह पूरी पीढ़ियों की सांस्कृतिक स्मृति को सुरक्षित रख सकता है। के.सी. मालू ने यही करके दिखाया। इसलिए उनका जाना केवल एक रिक्तता नहीं, बल्कि एक ऐसी जिम्मेदारी छोड़ गया है जिसे समाज को मिलकर निभाना होगा। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे पुण्यात्मा के. सी. मालू को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिजनों, असंख्य शुभचिंतकों और समस्त कला-जगत को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उनके द्वारा प्रज्वलित संस्कृति, संगीत और भाषा का यह दीपक आने वाली पीढ़ियों को सदैव आलोकित करता रहेगा। यही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आस्था के धाम में कितने घोटाले: पावन परिसरों में अपवित्र सेंध और धार्मिक शुचिता का संकट

अशोक भाटिया

भारत एक ऐसा देश है जहाँ धर्म सिर्फ जीवन पद्धति नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की रगों में दौड़ता विश्वास है। यहाँ एक आम नागरिक अपनी मेहनत की गाढ़ी कमाई से एक हिस्सा निकालकर भगवान के चरणों में इस विश्वास के साथ अर्पित करता है कि उसका यह दान समाज के कल्याण, दरिद्र नारायण की सेवा और मंदिर की व्यवस्था में काम आएगा। लेकिन जब इसी 'आस्था के धाम' से घोटालों, चोरी, वित्तीय हेरफेर और गबन की खबरें सुर्खियां बनती हैं, तो सिर्फ कानून नहीं टूटता, बल्कि देश की सामूहिक चेतना और करोड़ों श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास तार-तार हो जाता है।

हाल के दिनों में देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित धार्मिक केंद्रों से सामने आई वित्तीय अनियमितताओं ने यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारे पावन परिसर अब धार्मिक शुचिता के केंद्र न रहकर केवल अकूत संपत्ति के प्रबंधन और उस पर कुंडली मारकर बैठने वाले कुछ भ्रष्ट तत्वों के चारागाह बन चुके हैं? अयोध्या के भव्य राम मंदिर परिसर में दानपात्रों की गिनती के दौरान हुई लाखों-करोड़ों की चोरी और राजस्थान के सुप्रसिद्ध बुटाटी धाम में लगभग 22.74 करोड़ रुपये के गबन के मामलों ने देश को झकझोर कर रख दिया है। यह संपादकीय इस कड़वी हकीकत के विभिन्न पहलुओं, इसके पीछे के कारणों और व्यवस्थागत सुधारों की आवश्यकता पर एक गहरी नजर डालता है।

वैसे धार्मिक स्थलों पर घोटालों का इतिहास नया नहीं है, लेकिन हाल ही में सामने आए दो मामलों ने इस समस्या की भयावहता को पूरी तरह उजागर कर दिया है। पहला - अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर का निर्माण हर भारतीय के लिए सदियों के इंतजार और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से ही यहाँ देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का ताँता लगा हुआ है और मंदिर को भारी मात्रा में नकद, सोना और चांदी दान में मिल रहे हैं। लेकिन हाल ही में इस पवित्र परिसर से जो खबर आई, उसने हर सनातनी का सिर शर्म से झुका दिया।मंदिर के ही कुछ कर्मचारियों द्वारा दानपात्रों की गिनती के समय बड़े पैमाने पर नकद और आभूषणों को चुराने का मामला प्रकाश में आया। यह चोरी कोई छोटी-मोटी घटना नहीं थी, बल्कि एक संगठित तरीके से अंजाम दी जा रही व्यवस्थागत सेंधमारी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए इस समय सुप्रीम कोर्ट खुद इसकी निगरानी कर रहा है और विशेष जांच दल (SIT) से स्टेटस रिपोर्ट मांगी गई है। अब तक करीब 80 लाख रुपये नकद बरामद किए जा चुके हैं और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस घटना के बाद मंदिर ट्रस्ट के पिछले पांच साल के खातों का फिर से ऑडिट (री-ऑडिट) कराने का आदेश दिया गया है, जो यह दर्शाता है कि गड़बड़ी की जड़ें कितनी गहरी हो सकती हैं।

दूसराराजस्थान के नागौर जिले में स्थित बुटाटी धाम (श्री चतुरदास महाराज मंदिर) देश भर में लकवा पीड़ितों के इलाज और उनकी सेवा के लिए एक चमत्कारी व पवित्र स्थान माना जाता है। यहाँ लोग बिना किसी स्वार्थ के केवल सेवा भाव और श्रद्धा से आते हैं। लेकिन जांच रिपोर्टों में यहाँ जो खुलासा हुआ, वह आँखें खोलने वाला है।प्रशासनिक जांच में सामने आया है कि बुटाटी धाम में लगभग 22.74 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं की गईं। श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने-चांदी के गहने रहस्यमयी ढंग से गायब हो गए। हद तो तब हो गई जब मंदिर की भोजनशाला (रसोई) और सीसीटीवी कैमरों के नाम पर लाखों रुपये के फर्जी बिल बनाकर पैसे निकाल लिए गए। स्थानीय प्रशासन ने मंदिर की तत्कालीन समिति के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है। जो स्थान पीड़ितों के दर्द को हरने के लिए जाना जाता था, वहाँ चंद लोगों की तिजोरियां भरने का घिनौना खेल चल रहा था।

धार्मिक स्थलों पर इस प्रकार के घोटालों और चोरियों के बार-बार सामने आने के पीछे कुछ स्पष्ट व्यवस्थागत और नैतिक कमियाँ हैं, जिन्हें समझे बिना इसका समाधान संभव नहीं है:

जैसे अपारदर्शी वित्तीय व्यवस्था में आज भी कई बड़े मंदिरों और धार्मिक ट्रस्टों में आज भी चढ़ावे और खर्च का कोई डिजिटल या पारदर्शी रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता। दानपात्रों से निकलने वाले पैसे की गिनती बंद कमरों में होती है, जहाँ आधुनिक तकनीक जैसे लाइव सीसीटीवी मॉनिटरिंग या तीसरे पक्ष की निगरानी का अभाव होता है। दूसरा जवाबदेही और कड़े ऑडिट का न होना:धार्मिक मामलों में अक्सर सरकारें और समाज सीधे हस्तक्षेप करने से कतराते हैं। इसी 'स्वायत्तता' का फायदा उठाकर कुछ ट्रस्ट और कमेटियां निरंकुश हो जाती हैं। नियमित और स्वतंत्र चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा फॉरेंसिक ऑडिट न होने के कारण वित्तीय हेरफेर सालों-साल दबे रह जाते हैं।तीसरा राजनीतिकरण और रसूखदारों का कब्जा:

देश के कई बड़े मंदिरों की प्रबंधन समितियों में सेवादारों या धार्मिक विद्वानों के बजाय राजनीतिक रसूख वाले लोगों, नौकरशाहों के करीबियों या स्थानीय बाहुबलियों को जगह मिल जाती है। इनके लिए मंदिर एक पवित्र स्थान से ज्यादा शक्ति, प्रभाव और धन अर्जित करने का जरिया बन जाता है।चौथा कर्मचारियों का नैतिक पतन और कम वेतन:अक्सर देखा गया है कि मंदिरों में दान गिनने या व्यवस्था संभालने वाले निचले स्तर के कर्मचारियों को बहुत कम वेतन दिया जाता है। जब ये कर्मचारी अपनी आँखों के सामने रोजाना करोड़ों रुपये का चढ़ावा देखते हैं, तो उनका नैतिक संयम डगमगा जाता है और वे चोरी के रास्ते पर चल पड़ते हैं।भक्तों की अंधश्रद्धा: भक्त अक्सर भगवान के डर या अत्यधिक श्रद्धा के कारण यह सवाल कभी नहीं पूछते कि उनके द्वारा दिए गए दान का इस्तेमाल कहाँ हो रहा है। वे रसीद लिए बिना नकद या सोना चढ़ा देते हैं, जिससे यह काला धन सीधे तौर पर भ्रष्ट प्रबंधकों की जेब में चला जाता है।

सामाजिक और धार्मिक ताने-बाने पर इसका प्रभाव बहुत पड़ता है क्योंकि जब आस्था के केंद्रों में घोटाले होते हैं, तो इसका नुकसान केवल वित्तीय नहीं होता। इसके दूरगामी सामाजिक और धार्मिक परिणाम होते हैं:जैसे नास्तिकता और अविश्वास की भावना पैदा होना : युवा पीढ़ी, जो पहले से ही धर्म और तार्किकता के बीच संतुलन तलाश रही है, जब ऐसी खबरें देखती है तो उसका धर्म और व्यवस्था से भरोसा उठने लगता है। यह समाज में एक प्रकार के नैतिक शून्यवाद को जन्म देता है। परोपकार की भावना में कमी होना : मंदिरों का मुख्य उद्देश्य केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समाज के गरीब तबके की मदद करना, स्कूल-अस्पताल चलाना और आपदा के समय संबल बनना होता है। घोटालों के कारण जब लोग दान देना कम या बंद कर देते हैं, तो इन कल्याणकारी कार्यों पर सीधा असर पड़ता है।वैश्विक पटल पर छवि धूमिल होना : भारत को दुनिया भर में 'अध्यात्म की भूमि' के रूप में देखा जाता है। अयोध्या जैसे वैश्विक सांस्कृतिक महत्व के केंद्रों में होने वाली चोरियाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुँचाती हैं। आगे की राह को सरल करने के लिए क्या हो सकते हैं उपाय ?के बारे में कहा जा सकता कि यदि हमें अपने आस्था के धामों को इन अपवित्र घोटालों से बचाना है, तो पारंपरिक ढर्रे को छोड़कर कड़े और आधुनिक कदम उठाने होंगे:शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण : सभी बड़े धार्मिक स्थलों पर नकद दान के बजाय डिजिटल डोनेशन (UPI, नेट बैंकिंग, क्यूआर कोड) को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यदि नकद दान आता भी है, तो उसकी गिनती की लाइव स्ट्रीमिंग होनी चाहिए ताकि पूरी पारदर्शिता बनी रहे।स्वतंत्र और अनिवार्य ऑडिट: हर छह महीने में देश की प्रतिष्ठित ऑडिट संस्थाओं द्वारा मंदिरों के खातों का फॉरेंसिक ऑडिट अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस ऑडिट रिपोर्ट को मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाना चाहिए ताकि कोई भी नागरिक इसे देख सके।पेशेवर और निष्पक्ष प्रबंधन : मंदिर ट्रस्टों में नियुक्तियाँ पूरी तरह से योग्यता, साफ-सुथरी छवि और सेवा भाव के आधार पर होनी चाहिए। इसमें राजनीति या भाई-भतीजावाद का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। तिरुपति बालाजी या वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की तरह पेशेवर प्रबंधन मॉडल को अन्य मंदिरों में भी लागू किया जाना चाहिए।कड़े दंड का प्रावधान: धार्मिक संपत्ति की चोरी या गबन को सामान्य चोरी से अलग माना जाना चाहिए। इसके लिए कानून में संशोधन कर विशेष और त्वरित अदालतों के माध्यम से कठोर कारावास और संपत्ति की जब्ती का प्रावधान होना चाहिए ताकि यह दूसरों के लिए एक नजीर बने।

हमें यह ध्यान रखना होगा कि यह आस्था का धाम वह स्थान है जहाँ इंसान अपने अहंकार, लालच और सांसारिक विकारों को छोड़कर शांति और पवित्रता की तलाश में आता है। यदि वही स्थान लालच और भ्रष्टाचार का केंद्र बन जाए, तो यह पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अयोध्या और बुटाटी धाम के मामले हमारे लिए एक 'वेक-अप कॉल' (चेतावनी की घंटी) हैं।अब समय आ गया है कि सरकार, न्यायपालिका और स्वयं हिंदू समाज आगे आए और इन पवित्र परिसरों की सफाई के लिए कड़े कदम उठाए। भगवान को हमारे धन की आवश्यकता नहीं है, लेकिन जो धन भक्तों द्वारा उनकी सेवा में अर्पित किया जा रहा है, उसकी सुरक्षा और सही उपयोग सुनिश्चित करना हमारा परम कर्तव्य है। आस्था के धामों को घोटालों से मुक्त कराकर ही हम उनकी वास्तविक शुचिता और गरिमा को पुनर्स्थापित कर सकते हैं। तभी 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो' का नारा सच मायनों में चरितार्थ होगा।

पत्रकारिता : साख पर सवाल, सुधार का बिगुल!

-सुरेश गांधी

पत्रकारिता लोकतंत्र का वह स्तंभ है, जिसकी ताकत सत्ता के गलियारों में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास में निहित होती है। यही विश्वास किसी पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है। जब कोई पत्रकार सड़क पर उतरकर जनसमस्याओं को सामने लाता है, भ्रष्टाचार का खुलासा करता है, व्यवस्था से सवाल पूछता है और समाज की आवाज बनता है, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन समय के साथ पत्रकारिता के सामने एक ऐसी चुनौती भी खड़ी हुई है, जिसने पूरे पेशे की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह चुनौती किसी विचारधारा की नहीं, बल्कि पेशेवर आचरण और जवाबदेही की है।

इसी पृष्ठभूमि में 'वन नेशन, वन जर्नलिस्ट' अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण सुझाव सामने आया है। सुझाव यह है कि देश में पत्रकारिता की गरिमा और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष 'पत्रकारिता आचरण एवं मूल्यांकन समिति' का गठन किया जाए। यह समिति किसी पत्रकार के विचारों या उसकी खबरों का मूल्यांकन नहीं करेगी, बल्कि केवल उन शिकायतों की जांच करेगी जिनमें पत्रकार की पहचान के कथित दुरुपयोग, पेशेवर आचरण या नैतिक मानकों के उल्लंघन का प्रश्न उठता हो।

इस प्रस्ताव के पीछे सोच बेहद स्पष्ट है। देश में आज भी हजारों पत्रकार ऐसे हैं जिनका पूरा दिन घटनास्थलों, अदालतों, सरकारी दफ्तरों, गांवों, मोहल्लों और आम लोगों के बीच बीतता है। उनकी पहचान उनकी खबरें होती हैं, न कि किसी कार्यालय में उनकी मौजूदगी। वे दस्तावेज जुटाते हैं, तथ्यों की पुष्टि करते हैं और लगातार जनहित के मुद्दों को सामने लाते हैं। यही पत्रकारिता का मूल स्वरूप है। दूसरी ओर समय-समय पर ऐसे आरोप भी सामने आते हैं कि कुछ लोग पत्रकार की पहचान का उपयोग निजी प्रभाव, व्यक्तिगत हित या अनुचित लाभ लेने के लिए करते हैं। चाहे ये आरोप सही हों या गलत, लेकिन इनकी चर्चा से पूरे पत्रकार समाज की छवि प्रभावित होती है। सबसे अधिक नुकसान उन पत्रकारों को होता है जो वर्षों से ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ अपना दायित्व निभा रहे हैं। अभियान से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि किसी पेशे की गरिमा बचानी है तो उसके भीतर आत्मानुशासन और जवाबदेही की व्यवस्था भी होनी चाहिए। डॉक्टरों, वकीलों, चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पेशों की तरह पत्रकारिता में भी एक ऐसी व्यवस्था हो सकती है जो शिकायतों की निष्पक्ष जांच करे और सत्य को सामने लाए। प्रस्तावित समिति को पूरी तरह स्वतंत्र बनाने की बात कही गई है। इसमें केवल पत्रकार ही नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी, विधि विशेषज्ञ, वरिष्ठ एवं

'वन नेशन, वन जर्नलिस्ट' अभियान का सुझाव–ईमानदार पत्रकारों की प्रतिष्ठा बचाने और पेशे की विश्वसनीयता मजबूत करने के लिए बने स्वतंत्र 'पत्रकारिता आचरण एवं मूल्यांकन समिति'. मतलब साफ है हम समाधान थोप नहीं रहे, राष्ट्रीय विमर्श का आधार प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रस्तावित श्वेत पत्र का उद्देश्य किसी अंतिम निर्णय की घोषणा करना नहीं, बल्कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और गरिमा को सुदृढ़ करने के लिए देशव्यापी संवाद शुरू करना है। अभियान से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि किसी पेशे की गरिमा बचानी है तो उसके भीतर आत्मानुशासन और जवाबदेही की व्यवस्था भी होनी चाहिए। डॉक्टरों, वकीलों, चार्टर्ड अकाउंटेंट और अन्य पेशों की तरह पत्रकारिता में भी एक ऐसी व्यवस्था हो सकती है जो शिकायतों की निष्पक्ष जांच करे और सत्य को सामने लाए। प्रस्तावित समिति को पूरी तरह स्वतंत्र बनाने की बात कही गई है। इसमें केवल पत्रकार ही नहीं, बल्कि सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी, विधि विशेषज्ञ, वरिष्ठ एवं निष्पक्ष पत्रकार, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव है। इससे किसी एक वर्ग का प्रभाव नहीं रहेगा और निर्णय केवल तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर होंगे

निष्पक्ष पत्रकार, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को शामिल करने का सुझाव है। इससे किसी एक वर्ग का प्रभाव नहीं रहेगा और निर्णय केवल तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर होंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि समिति का उद्देश्य किसी पत्रकार को डराना या उसकी स्वतंत्रता सीमित करना नहीं होगा। लोकतंत्र में स्वतंत्र पत्रकारिता सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं हो सकता। इसलिए समिति केवल उन्हीं मामलों में हस्तक्षेप करे जहाँ पेशेवर आचरण से जुड़ी स्पष्ट शिकायत हो और शिकायत के समर्थन में पर्याप्त तथ्य उपलब्ध हों। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि किसी भी शिकायत पर एकतरफा कार्रवाई न हो। संबंधित पत्रकार को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर मिले, दस्तावेज प्रस्तुत करने का अधिकार मिले और जांच पूरी तरह पारदर्शी हो। यदि शिकायत झूठी साबित होती है तो शिकायतकर्ता के विरुद्ध भी उचित कार्रवाई का प्रावधान हो। इससे दुर्भावनापूर्ण शिकायतों पर भी रोक लगेगी और ईमानदार पत्रकारों का मनोबल बढ़ेगा।

अभियान के समर्थकों का मानना है कि आज सबसे बड़ी आवश्यकता जनता का विश्वास पुनः मजबूत करने की है। जब समाज यह देखेगा कि पत्रकार समाज स्वयं अपने पेशे की गरिमा और जवाबदेही के लिए पहल कर रहा है, तब पत्रकारिता के प्रति सम्मान भी बढ़ेगा। यह व्यवस्था किसी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरे पेशे के सम्मान के पक्ष में होगी। विशेषज्ञों का भी मानना है कि पत्रकारिता का मूल्यांकन खबरों की निर्भीकता, तथ्यपरकता और जनहित के आधार पर होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संपर्कों या प्रभाव के आधार पर। लोकतंत्र को ऐसे पत्रकारों की आवश्यकता है जो सत्ता के निकट होने के कारण नहीं, बल्कि सच के निकट होने के कारण पहचाने जाएं। 'वन नेशन, वन जर्नलिस्ट' अभियान का कहना है कि यह पहल किसी विवाद को जन्म देने के लिए नहीं, बल्कि एक सकारात्मक विमर्श शुरू करने के लिए है। यदि पत्रकार समाज स्वयं अपनी आचार संहिता और जवाबदेही की व्यवस्था विकसित करता है, तो बाहरी नियंत्रण की आवश्यकता भी कम होगी और स्वतंत्र पत्रकारिता अधिक मजबूत होगी। अभियान से जुड़े लोगों का विश्वास है कि आने वाले समय में पत्रकार संगठनों, मीडिया संस्थानों, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और सरकार के बीच इस विषय पर व्यापक संवाद होना चाहिए। संवाद जितना व्यापक होगा, समाधान उतना ही व्यावहारिक और स्वीकार्य होगा। पत्रकारिता की असली पहचान सत्ता के गलियारों में नहीं, बल्कि जनता के बीच बनती है। इसलिए आज आवश्यकता किसी व्यक्ति विशेष पर उंगली उठाने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करने की है जो ईमानदार पत्रकारों को सम्मान, सुरक्षा और विश्वास प्रदान करे तथा पेशे की गरिमा को हर परिस्थिति में अक्षुण्ण बनाए रखे। शायद यही वह रास्ता है, जो पत्रकारिता को फिर से उसी ऊंचाई पर स्थापित कर सकता है, जहां उसकी सबसे बड़ी ताकत केवल एक होती है–सच।

सरकार की मनमानी और करतार की मनमानी पर इंसानी जोर नहीं!

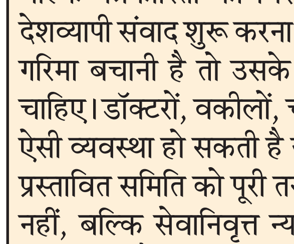

-विक्रम दयाल

जब शासन निरंकुश हो जाए और प्रकृति प्रतिकूल हो जाए, तब सबसे कठिन परीक्षा आम इंसान की होती है।

आज का युग विरोधाभासों का युग है। एक ओर मनुष्य चाँद और मंगल तक पहुँचने का दावा कर रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से भविष्य की दुनिया गढ़ रहा है, और विज्ञान के बल पर असंभव को संभव बना रहा है; दूसरी ओर वही मनुष्य रोजमर्रा के जीवन में ऐसी शक्तियों के सामने स्वयं को विवश पाता है, जिन पर उसका नियंत्रण नहीं है। इन्हीं अनुभवों से जन्म लेती है यह लोककथा-सी प्रतीत होने वाली पंक्ति–"सरकार की मनमानी और करतार की मनमानी पर इंसानी जोर नहीं। यह वाक्य केवल निराशा का प्रतीक नहीं है, बल्कि हमारे समय का एक गहरा सामाजिक और राजनीतिक प्रश्न भी है। क्या सचमुच आम नागरिक इतना असहाय हो गया है कि वह केवल परिस्थितियों को सहने के लिए ही बना है? या फिर यह उसकी चुप्पी है जिसने मनमानी को शक्ति प्रदान कर दी है? लोकतंत्र में सरकार जनता की सेवक मानी जाती है, स्वामी नहीं। जनता अपने मताधिकार के माध्यम से सरकार को यह अधिकार देती है कि वह संविधान के दायरे में रहकर शासन करे, जनकल्याण को प्राथमिकता दे और प्रत्येक नागरिक के सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा करे। किंतु जब निर्णय जनता की भागीदारी से दूर होने लगते हैं, जब संवाद की जगह आदेश लेने लगते हैं, जब आलोचना को असहज माना जाने लगता है, तब नागरिक के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि लोकतंत्र की आत्मा कहाँ है? आज महँगाई एक सामान्य परिवार की सबसे बड़ी चिंता बन चुकी है। रसोई का बजट बिगड़ रहा है, शिक्षा महँगी होती जा रही है, चिकित्सा आम आदमी की पहुँच से दूर होती जा रही है, रोजगार की अस्थिरता बढ़ रही है। इन सबके बीच यदि नई नीतियाँ बिना पर्याप्त संवाद के लागू हों, तो नागरिक स्वयं को बोझ तले दबा हुआ महसूस करता है। उसकी सबसे बड़ी पीड़ा यह होती है कि निर्णय कोई और लेता है, किंतु उनका भार उसे उठाना पड़ता है। फिर भी यह कहना कि सरकार जो चाहे वही करेगी, लोकतंत्र की आत्मा के साथ न्याय नहीं होगा। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता की जागरूकता है। यदि नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत रहें, यदि मीडिया निर्भीक रहे, यदि न्यायपालिका स्वतंत्र रहे और यदि समाज प्रश्न पूछने का साहस बनाए रखे, तो कोई भी सत्ता निरंकुश नहीं रह सकती। इतिहास इस सत्य का साक्षी है कि जनता की शांतिपूर्ण और संगठित आवाज ने अनेक बार सत्ताओं को अपने निर्णय बदलने पर विवश किया है। अब बात करते हैं करतार की मनमानी की। मनुष्य चाहे जितनी भी प्रगति कर ले, प्रकृति के सामने उसका अहंकार क्षणभर में समाप्त हो जाता है। कभी बाढ़, कभी सूखा, कभी भूकंप, कभी महामारी, कभी असमय वर्षा–प्रकृति यह याद दिलाती रहती है कि इस सृष्टि का अंतिम स्वामी मनुष्य नहीं है। किसान महीनों मेहनत करता है। उसकी आँखों में फसल के साथ पूरे परिवार के सपने लहलहाते हैं। लेकिन एक रात की ओलावृष्टि उन सपनों को मिट्टी में मिला देती है। मजदूर वर्षों की कमाई से घर बनाता है, और एक प्राकृतिक आपदा सब कुछ बहा ले जाती है। ऐसे क्षणों में मनुष्य समझता है कि विज्ञान बहुत कुछ कर सकता है, पर सब कुछ नहीं। लेकिन क्या करतार की इच्छा के सामने मनुष्य केवल हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाए? भारतीय संस्कृति इसका उत्तर स्पष्ट देती है–नहीं। हमारे शास्त्र कर्म का संदेश देते हैं। मनुष्य का अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं। इसलिए परिस्थितियाँ चाहे जितनी कठिन हों, पुरुषार्थ कभी नहीं छोड़ना चाहिए। दुर्भाग्य तब बढ़ता है जब सरकार की असंवेदनशीलता और प्रकृति की प्रतिकूलता एक साथ आ खड़ी हों। यदि सूखे से जूझते किसान को समय पर सहायता न मिले, यदि बाढ़ पीड़ितों तक राहत न पहुँचे, यदि बेरोजगार युवाओं को अवसर न मिलें, तो पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे समय में सरकार का धर्म केवल प्रशासन चलाना नहीं, बल्कि संवेदना के साथ समाज का सहारा बनना भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि शासन शक्ति का नहीं, सेवा का प्रतीक बने। लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता; वह विश्वास, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से जीवित रहता है। जनता को भी केवल शिकायत करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। मतदान, सामाजिक सहभागिता, जनहित के प्रश्नों पर सजगता और संविधान के प्रति निष्ठा–यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा करते हैं। करतार की इच्छा के सामने विनम्रता आवश्यक है, लेकिन सरकार के सामने विवेकपूर्ण प्रश्न पूछना भी उतना ही आवश्यक है। आस्था मनुष्य को धैर्य देती है, और लोकतंत्र उसे अधिकार देता है। इन दोनों का संतुलन ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। आज सबसे बड़ा संकट केवल आर्थिक या प्राकृतिक नहीं है, बल्कि संवेदनाओं का है। जब सत्ता जनता का दर्द सुनना बंद कर देती है और समाज दूसरों की पीड़ा से आँखें मूँद लेता है, तब मनमानी बढ़ती है। लेकिन जब नागरिक जागते हैं, संवाद होता है और नैतिकता शासन का आधार बनती है, तब मनमानी अपने आप सीमित हो जाती है। अंततः यह सत्य स्वीकार करना होगा कि मनुष्य न तो प्रकृति का स्वामी है और न ही सरकार का दास। वह लोकतंत्र का नागरिक है और ईश्वर की सृष्टि का एक उत्तरदायी भाग है। इसलिए उसका कर्तव्य है कि वह अन्याय के विरुद्ध शांतिपूर्ण और संवैधानिक ढंग से आवाज उठाए, और विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, परिश्रम और विश्वास बनाए रखे। समापन में इतना ही– सरकार की मनमानी यदि संविधान से बँधी रहे और करतार की इच्छा को मनुष्य विनम्रता से स्वीकार करे, तो जीवन संतुलित रहता है। किंतु जहाँ सत्ता अहंकार में डूब जाए और मनुष्य कर्म छोड़कर केवल भाग्य को दोष देने लगे, वहाँ समस्याएँ बढ़ती जाती हैं। इसलिए आवश्यकता न निराशा की है, न मौन की; आवश्यकता है जागरूक नागरिक, उत्तरदायी शासन और कर्मयोगी समाज की। याद रखिए–सरकारें बदलती हैं, परिस्थितियाँ बदलती हैं, मौसम बदलते हैं; पर सत्य, न्याय, कर्म और जनचेतना की शक्ति कभी पराजित नहीं होती। वही शक्ति अंततः हर मनमानी पर विजय प्राप्त करती है।

प्रदीप शर्मा को मातृ शोक, चकाला पारसी वाडा श्मशान भूमि में उमड़ा जनसैलाब

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रख्यात सामाजिक संस्था पी एस फाउंडेशन के अध्यक्ष व पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा की माताजी का सोमवार की शाम को निधन हो गया। वे 90 वर्ष की थी। जिनकी अंत्येष्टि संस्कार मंगलवार की सुबह अंधेरी पूर्व के चकाला श्मशान भूमि में पूरे विधि विधान से हजारों लोगों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य रूप से स्थानीय विधायक मुरजी पटेल, पूर्व मंत्री सुरेश शेट्टी, कांग्रेस नेता राजेश शर्मा भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला, जाने माने आर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, नगरसेवक प्रमोद सावंत, पूर्व नगरसेवक सुभाष सावंत,पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र दुबे, पूर्व नगरसेवक क्लाइव डायस,युवा नेता राज सिंह, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष इंद्रसेन उपाध्याय, समाजसेवक बृजलाल तिवारी, समाजसेवक प्रमोद पांडे , भाजपा नेता सर्वजीत सिंह संधू, भाजपा नेता उदयप्रताप सिंह,कांग्रेस नेता रमेश मिश्रा, एडवोकेट संदीप शुक्ला ,उमेश उपाध्याय , रामजी पांडे समेत बड़ी संख्या में व्यापारी, पुलिस अधिकारी, समाजसेवक व पत्रकार उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दुख की घड़ी में अपने आपको संभालते हुए प्रदीप शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

12वीं पूरक परीक्षा का परिणाम घोषित, 28.82% विद्यार्थी हुए सफल

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित जून-जुलाई 2026 की उच्च माध्यमिक (कक्षा 12वीं) पूरक परीक्षा का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया गया। पालघर जिले का कुल परीक्षा परिणाम 28.82 प्रतिशत रहा। जिले से इस परीक्षा में 4,417 विद्यार्थियों ने भाग लिया था, जिनमें से 1,273 विद्यार्थी सफल हुए। परिणामों में एक बार फिर छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। छात्राओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 30.13 प्रतिशत रहा, जबकि छात्रों का परिणाम 28.08 प्रतिशत दर्ज किया गया। परीक्षा में 2,841 छात्र व 1,576 छात्राएं शामिल हुई थीं। इनमें से 798 छात्र तथा 475 छात्राएं उत्तीर्ण हुईं। तहसील स्तर पर मोखाडा ने 66.66 प्रतिशत परिणाम के साथ जिले में पहला स्थान प्राप्त किया। इसके बाद तलासरी का परिणाम 44.01 प्रतिशत और वसई का 29.69 प्रतिशत रहा। परिणाम घोषित होने के बाद पालघर के पालकमंत्री, जिलाधिकारी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा शिक्षणाधिकारी (माध्यमिक) ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

17 जुलाई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन, युवाओं को मिलेगा रोजगार का सुनहरा अवसर

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग की ओर से राज्यभर में वर्ष 2026-27 के दौरान 1000 रोजगार मेलों एवं प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किये जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में पालघर जिले में इस वित्तीय वर्ष के दौरान 22 रोजगार मेलों/प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता मार्गदर्शन केंद्र, पालघर द्वारा 17 जुलाई 2026 (शुक्रवार) को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक लाइटहाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन, प्रशासनिक भवन 'बी', द्वितीय मंजिल, कक्ष क्रमांक 207, जिलाधिकारी कार्यालय परिसर, बोईसर रोड, पालघर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जायेगी। इस प्लेसमेंट ड्राइव का उद्देश्य पालघर सहित महाराष्ट्र के बेरोजगार युवाओं को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। इच्छुक अभ्यर्थियों को पहले https://www.MahaSwayam.gov.in पोर्टल पर पंजीकरण कर लॉगिन करना होगा। इसके बाद डैशबोर्ड में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय जॉब फेयर' विकल्प चुनकर पालघर जिले के प्लेसमेंट ड्राइव (2026-27) के लिए आवेदन करना होगा। उम्मीदवार अपनी योग्यता के अनुसार उपलब्ध रिक्त पदों का चयन कर ऑनलाइन प्राथमिकता दर्ज कर सकते हैं।

विशेषज्ञों ने समय रहते सही आदतें अपनाने पर दिया जोर

मुंबई/पटना। अक्सर 20 की उम्र के लोग सोचते हैं कि यदि उन्हें दर्द या दांतों से जुड़ी कोई स्पष्ट समस्या नहीं है, तो उनका मौखिक स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक है। लेकिन कई बार लक्षणों का न होना इस बात का प्रमाण नहीं होता कि कोई समस्या मौजूद नहीं है। मौखिक स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याएं धीरे-धीरे विकसित होती हैं, इसलिए बचाव और नियमित देखभाल बेहद महत्वपूर्ण है। ओरल केयर विशेषज्ञ डॉ. सोनिया दत्ता ने कहा, अच्छा मौखिक स्वास्थ्य किसी एक दिन के प्रयास से नहीं, बल्कि नियमितता से बनता है। दिन में दो बार ब्रश करना, मसूड़ों की सही देखभाल करना और सही टूथपेस्ट का चुनाव करना, लंबे समय तक दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आज जब उपभोक्ता रोजमर्रा की मौखिक देखभाल के लिए भरोसेमंद समाधानों की तलाश कर रहे हैं, तब डाबर रेड टूथपेस्ट देशभर के लाखों उपभोक्ताओं की पसंद बना हुआ है। इसकी आयुर्वेदिक संरचना में लौंग जैसे तत्व शामिल हैं, जो दांत दर्द से राहत देने में सहायक माने जाते हैं, तथा सूंठ, जो मसूड़ों की देखभाल में मदद करती है। उपभोक्ताओं के विश्वास को और मजबूत बनाते हुए, डाबर रेड टूथपेस्ट को इंडियन डेंटल एसोसिएशन की स्वीकृति मुहर भी प्राप्त है। दांतों और मसूड़ों को मजबूत एवं स्वस्थ बनाए रखने के उद्देश्य से तैयार किया गया डाबर रेड टूथपेस्ट आयुर्वेद की परंपरागत शक्ति और आधुनिक गुणवत्ता मानकों का संतुलित संगम है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के बीच, अल्ट्रावायलेट ने EV पर स्विच करने को पहले से कहीं ज्यादा आकर्षक बना दिया है

मुंबई/पटना। पूरे भारत में पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के बीच, अल्ट्रावायलेट ने आज एक नई पहल की घोषणा की है। इसका मकसद देश भर में दो-पहिया वाहन खरीदने के इच्छुक लोगों के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाना आसान और फायदेमंद बनाना है। जैसे-जैसे खरीदार वाहन खरीदने और उसे रखने की लागत पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, अल्ट्रावायलेट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी अपनाने के आर्थिक और परफॉर्मेंस से जुड़े फायदों को उजागर कर रही है, साथ ही इस बदलाव को पहले से कहीं ज्यादा फायदेमंद बना रही है। इस ऑफर के तहत, राइडर्स अपनी राइडिंग हिस्ट्री और गाड़ी के इस्तेमाल के आधार पर अल्ट्रावायलेट मोटरसाइकिल खरीदने पर 30,000 तक का फायदा पा सकते हैं। पेट्रोल से तय की गई दूरी को ओनरशिप बेनिफिट में बदलकर, अल्ट्रावायलेट इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के सबसे बड़े फायदों में से एक को सामने ला रही है: परफॉर्मेंस, टेक्नोलॉजी, भरोसे या राइडिंग अनुभव से समझौता किए बिना बार-बार होने वाले फ़्यूल के खर्च से आजादी।

भिवंडी मनपा स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने पर आयुक्त सख्त, 50% से कम रिजल्ट वाले स्कूलों के प्रधानाध्यापकों की जवाबदेही तय

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर (आईएएस) की अध्यक्षता में मंगलवार को शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यार्थियों की संख्या, उपस्थिति, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों का परीक्षा परिणाम 50 प्रतिशत से कम है, वहां के प्रधानाध्यापकों को गुणवत्ता सुधारने और बेहतर परिणाम लाने की जिम्मेदारी दी जाएगी। प्रत्येक विद्यालय में प्रारंभिक मूल्यांकन

परीक्षा आयोजित कर कमजोर विद्यार्थियों की पहचान की जाए तथा स्कूल समय के बाद एक से दो घंटे अतिरिक्त कक्षाएं लेकर उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाए। बैठक में सभी विद्यालयों से स्कॉलरशिप जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में 100 प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। आयुक्त ने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने की अंतिम जिम्मेदारी शिक्षक, प्रधानाध्यापक और केंद्र प्रमुखों की है। आदेशों का पालन नहीं करने वाले संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त (शिक्षा) बालकृष्ण क्षीरसागर ने शिक्षकों के लिए डाइट के माध्यम से शीघ्र प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रशासनिक अधिकारी एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को स्कूलों का औचक निरीक्षण कर विद्यार्थियों की पढ़ाई, वाचन क्षमता और विषय ज्ञान की जांच करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उपायुक्त (शिक्षा) बालकृष्ण क्षीरसागर, प्रशासन अधिकारी सौदागर शिखरे तथा सभी केंद्र प्रमुख उपस्थित रहे।

जून-जुलाई एसएससी परीक्षा का 17.36% परिणाम, 272 विद्यार्थी हुए उत्तीर्ण

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित जून-जुलाई 2026 की कक्षा 10वीं (एसएससी) परीक्षा के परिणाम में पालघर जिले की जिला परिषद स्कूलों का कुल परीक्षा परिणाम 17.36 प्रतिशत दर्ज किया गया। परीक्षा में शामिल 1,566 विद्यार्थियों में से 272 विद्यार्थी सफल हुए।

जिला परिषद की जानकारी के अनुसार परीक्षा में 1,134 छात्र और 432 छात्राएं शामिल हुईं। इनमें से 186 छात्र तथा 86 छात्राएं उत्तीर्ण रहीं। छात्रों का उत्तीर्ण प्रतिशत 16.40 प्रतिशत, जबकि छात्राओं का परिणाम 19.90 प्रतिशत रहा। इस वर्ष भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए छात्रों से बढ़त बनाये रखी।

तहसील-वार परिणाम में पालघर तहसील ने 26.03 प्रतिशत परिणाम के साथ पहला स्थान हासिल किया।

इसके बाद वसई का परिणाम 18.98 प्रतिशत, विक्रमगढ़ का 15.38 प्रतिशत, डहाणू का 10.99 प्रतिशत, तलासरी का 6.72 प्रतिशत, जव्हार का 5.88 प्रतिशत, वाडा का 5.33 प्रतिशत तथा मोखाडा का परिणाम 33.33 प्रतिशत रहा, हालांकि वहां परीक्षार्थियों की संख्या काफी कम थी। परीक्षा में सफल सभी विद्यार्थियों को जिले के पालकमंत्री, जिलाधिकारी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा माध्यमिक शिक्षणाधिकारी ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

TET Paper Leak: देवेंद्र फडणवीस का राहुल गांधी को दो टूक, विदेश से नहीं, भारत आकर पूछें

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 14 जुलाई को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की 'टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट' 2026 पेपर लीक मामले पर की गई टिप्पणियों की आलोचना की। फडणवीस ने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी भारत में मौजूद रहकर जानकारी मांग रहे थे या विदेश से सोशल मीडिया के जरिए जवाब मांग रहे थे। राहुल गांधी ने कहा था कि पेपर लीक होने के कारण TET 2026 परीक्षा रद्द होने से लगभग छह लाख उम्मीदवार अनिश्चितता की स्थिति में हैं और परीक्षा की कोई नई तारीख भी घोषित नहीं की गई है। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि इस मामले की जांच हो चुकी है और कार्रवाई भी की गई है। मैं उन्हें यह भी बताना चाहता हूं कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। सबसे अहम बात यह है कि क्या राहुल गांधी यह जानकारी हमारे देश–भारत–में रहकर मांग रहे हैं या फिर विदेश में कहीं बैठकर सोशल मीडिया के जरिए जवाब मांग रहे हैं।

14 जुलाई को राहुल गांधी ने पर लिखा कि महाराष्ट्र TET का पेपर लीक हो गया, परीक्षा रद्द कर दी गई। 6 लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। दो हफ़्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद ने पूरे राज्य में 28 जून को होने वाली TET परीक्षा को टाल दिया है। यह फैसला भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्न पत्र लीक होने का मामला सामने आने के बाद लिया गया।यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में 1,028 केंद्रों पर आयोजित की जानी थी।

एनसीपी में थम नहीं रही अंदरूनी कलह सुनेत्रा पवार के अध्यक्ष बनते ही वरिष्ठ नेता ने खोला मोर्चा

मुंबई। महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में एक बार फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भीतर का अंतर्विरोध खुलकर सामने आ गया है। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री और दिवंगत नेता अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के बाद ठउढ में अंदरूनी कलह तेज हो गई है। पार्टी के ही एक वरिष्ठ नेता ने इस चुनाव प्रक्रिया की वैधता को चुनौती देते हुए इसे पूरी तरह 'असंवैधानिक' करार दिया है और 15 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। छुट्टियांव मौसमी आयोजन

एनसीपी के राष्ट्रीय सचिव सच्चिदानंद सिंह ने सुनेत्रा पवार के अध्यक्ष चुने जाने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने दिल्ली की

एक प्रतिष्ठित लॉ फर्म 'अफ़ एसोसिएट्स' के जरिए 9 जुलाई को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को एक कानूनी नोटिस भेजा है। इस नोटिस में दावा किया गया है कि इस साल 26 फरवरी को हुआ राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव असंवैधानिक था, इसलिए इसे तत्काल प्रभाव से ₹अमान्य, शून्य और निष्प्रभावी₹ घोषित किया जाना चाहिए। यह कानूनी नोटिस खुद सुनेत्रा पवार, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव को भेजा गया है।

सुनेत्रा पवार, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव को भेजे गए नोटिस में आरोप लगाया गया कि चुनाव प्रक्रिया ठउढ पार्टी के संविधान के अनिवार्य प्रावधानों का पालन किए बिना और प्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों को उचित सूचना दिए बिना शुरू की गई थी। नोटिस के अनुसार, 28 जनवरी को तत्कालीन एनसीपी अध्यक्ष अजीत पवार के निधन के बाद, पार्टी ने चुनाव आयोग को सूचित किया था कि नया प्रमुख चुने जाने तक पटेल कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। यह कानूनी विवाद 28 जनवरी, 2026 को अजीत पवार की मृत्यु के बाद शुरू हुआ। सिंह के अनुसार, पार्टी ने 17 फरवरी, 2026 को चुनाव आयोग को एक संशोधित संविधान सौंपा था।

16 वर्ष की उम्र में बने जिला संपादक, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्र्स में दर्ज हुआ नाम

भायंदर (उत्तरशक्ति)। भायंदर के वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र पोरवाल की ऐतिहासिक उपलब्धि आज भी युवा पत्रकारों के लिए बनी प्रेरणा मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई से लेकर मीरा भायंदर पत्रकारिता के क्षेत्र में भायंदर के वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र पोरवाल ने ऐसा इतिहास रचा, जिसे आज भी गर्व और सम्मान के साथ याद किया जाता है। वर्ष 2005 की लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उनका नाम यांगजेस्ट जर्नलिस्ट (सबसे कम उम्र के पत्रकार) के रूप में दर्ज किया गया, जो भारतीय पत्रकारिता जगत की एक उल्लेखनीय उपलब्धि मानी जाती है। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के अनुसार, देवेंद्र पोरवाल ने मात्र 16

वर्ष की आयु में वर्ष 1977 में अपने पत्रकारिता जीवन की शुरूआत की। इसी वर्ष उन्हें राजस्थान से जयपुर और कोटा से एक साथ प्रकाशित होने वाले प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक 'राष्ट्रदूत' का जिला संपादक (डिस्ट्रिक्ट एडिटर) नियुक्त किया गया। इतनी कम उम्र में संपादकीय जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालना अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि थी, जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक सराहना हुई। देवेंद्र पोरवाल की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा, समर्पण और दृढ़ इच्छाशक्ति के सामने उम्र कभी बाधा नहीं बनती। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में उनका नाम दर्ज होना न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन का गौरवपूर्ण अध्याय है, बल्कि पूरे पत्रकारिता जगत के लिए सम्मान और प्रेरणा का विषय भी है। आज भी उनकी यह उपलब्धि युवा पत्रकारों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है। यह संदेश देती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और कार्य के प्रति समर्पण हो, तो कम उम्र में भी इतिहास रचा जा सकता है।

छः दिन बीत जाने के बाद भी एलटीटी-गोरखपुर एक्सप्रेस में महिला के चोरी हुए 15 तोला सोना चुराने वालों का सुराग नहीं

राकांपा मुम्बई प्रदेश के उपाध्यक्ष ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एलटीटी-गोरखपुर काशी एक्सप्रेस (15017) के एसी 2 टायर के अ/२ कोच में यात्रा कर रही एक महिला यात्री के पर्स से 21.75 लाख रुपये मूल्य के 15 तोला सोने के आभूषण, 50 हजार रुपये और दस्तावेज चोरी हो गए। घटना 9 जुलाई की सुबह 5 बजे के करीब जबलपुर स्टेशन के समीप हुई। खास बात यह है कि वारदात के बाद महिला घंटों मदद के लिए परेशान रही। लेकिन चार स्टेशन गुजरने के बाद ही पुलिस पहुंची। चोरी की इस घटना के छः दिन बीत जाने के बाद भी महिला के चोरी हुए १५ तोला सोना चुराने वालों का सुराग नहीं मिल पाया है। जबकि एल टी टी गोरखपुर काशी एक्सप्रेस में हुई सोना चोरी की इस बड़ी घटना से यात्रियों में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है। वहीं सोना चोरी की इस घटना को लेकर मुंबई प्रदेश राकांपा के उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने रेल मंत्री अश्विन वैष्णव, मध्य रेलवे के महाप्रबंधक और रेलवे सुरक्षा आयुक्त जबलपुर को पत्र लिखकर जल्द से जल्द महिला यात्री के सोना चुराने वाले चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार अनिता दीनानाथ पाठक मुंबई एल टी टी गोरखपुर काशी एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज आ रही थीं। वह एसी-2 कोच की सीट संख्या 3 पर थीं। इसी सीट पर एक युवक आकर बैठा, जो प्रयागराज जा रहा था। रात में अनिता सो गई। गुरुवार सुबह करीब 5 बजे जब उनकी नींद खुली तो उनका पर्स गायब था। शोर मचाने पर यात्रियों ने खोजबीन की तो पर्स शौचालय में टंगा मिला। मोबाइल सुरक्षित था, लेकिन उसे फ्लाइट मोड पर कर दिया गया था। प्रयागराज जीआरपी इंस्पेक्टर एके सिंह ने बताया कि घटना स्थल के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले को रेलवे पुलिस जबलपुर को सुपुर्द कर दिया गया है। वहीं मुंबई राकांपा के उपाध्यक्ष संजीव उपाध्याय ने उत्तरभारत की ट्रेन में हुई चोरी की इस वारदात को संज्ञान में लेते हुए रेल मंत्री अश्विन वैष्णव को पत्र लिखकर सोना चोरी करने वाले चोरों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

उन्होंने काशी एक्सप्रेस ट्रेन में हुई चोरी की इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि रेल मंत्रालय जहां एक तरफ ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़े बड़े दावे करता है वहीं एल टी टी गोरखपुर काशी एक्सप्रेस के अ/२ डिब्बे में सोना चोरी की इस बड़ी घटना ने रेलवे की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। खास बात यह है कि अ/२ डिब्बे में सी सी टी वी कैमरा तक उपलब्ध नहीं है।

विधायक चौघुले के प्रयास से कामवारी नदी में डूबे 10 वर्षीय बालक के परिजनों को 4 लाख की सरकारी सहायता

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर की सीमा से होकर बहने वाली कामवारी नदी में डूबने से जान गंवाने वाले 10 वर्षीय आतिफ इरफान शेख के परिवार को महाराष्ट्र शासन की ओर से जिला आपदा राहत निधि से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। गौरतलब है कि 4 जुलाई की शाम म्हाडा कॉलोनी निवासी आतिफ इरफान शेख कचरा फेंकने के लिए नदी किनारे गया था। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नदी में डूब गया, जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी। घटना के बाद विधायक महेश चौगुले ने शासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की थी। उनके प्रयासों के

बाद शासन ने जिला आपदा राहत निधि से 4 लाख रुपये की सहायता मंजूर की। मंगलवार को विधायक महेश चौगुले ने मृतक के पिता इरफान शेख को सहायता राशि का चेक सौंपा। इस अवसर पर नायब तहसीलदार आदेश म्हात्रे, मंडल अधिकारी शैलेश भोजने, ग्राम राजस्व अधिकारी संजीवनी वानखेड़े, एडवोकेट रितेश टावरे सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित रहे।इसी कार्यक्रम के दौरान भिवंडी तालुका के सोनटक्के गांव निवासी संतोष परशुराम भगत (47), जिनकी नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी, उनके परिजनों को भी जिला आपदा राहत निधि से 4 लाख रुपये की सहायता राशि विधायक शांताराम मोरे की उपस्थिति में प्रदान की गई।

सिर्फ खरीदारी नहीं, मानसिक शांति भी : जानिए क्या है व्यापक प्रोडक्ट वारंटी की असली ताकत

मुंबई। किसी भी घरेलू उपकरण (होम अप्लायंस) की असली उपयोगिता केवल उसे खरीदने तक सीमित नहीं होती। उसकी वास्तविक अहमियत इस बात से तय होती है कि वह रोजमर्रा की जिंदगी में कितनी सहजता से शामिल होता है, घर में कितना आराम और सुविधा बढ़ाता है तथा लंबे समय तक आपकी अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरता है। ऐसे में एक व्यापक (कॉम्प्रिहेंसिव) वारंटी उपभोक्ताओं को अप्रत्याशित मरम्मत खर्च और उत्पाद के प्रदर्शन में आने वाली रुकावटों से सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

घरेलू उपकरण खरीदते समय उपभोक्ता अक्सर उसके फीचर्स, डिजाइन, कीमत और वारंटी पर ध्यान देते हैं, लेकिन वारंटी की शर्तों को विस्तार से पढ़ना अक्सर भूल जाते हैं। जबकि जिन उपकरणों का उपयोग कई वर्षों तक किया जाना होता है, उनके लिए वारंटी केवल एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि खरीद के बाद मिलने वाली भरोसेमंद सेवा और सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार होती है। आज के समय में व्यापक वारंटी खरीद का एक अहम निर्णयकारी पहलू बनती जा रही है। यह बिक्री के बाद मिलने वाली सेवा को केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं का भरोसा जीतने का महत्वपूर्ण माध्यम बना रही है।

यदि आप नया घरेलू उपकरण खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के अप्लायंसेज बिजनेस के सर्विस हैड अर्नब बागची द्वारा दिए गए ये वारंटी संबंधी सुझाव आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

1. घरेलू उपकरण के स्वामित्व की कुल लागत को समझें

किसी भी घरेलू उपकरण की कीमत केवल खरीद तक सीमित नहीं होती। खरीद के बाद संभावित मरम्मत खर्च, स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और सर्विस शुल्क जैसी बातों को भी ध्यान में रखना चाहिए। उपकरण के पूरे जीवनकाल के दौरान ऊर्जा दक्षता (एनर्जी एफिशिएंसी), रखरखाव (मेंटेनेंस) और अन्य खर्चों को जोड़कर उसकी कुल स्वामित्व लागत (टोटल कॉस्ट ऑफ ओनरशिप) का आकलन करें। स्पष्ट और पारदर्शी शर्तों वाली वारंटी शुरूआती वर्षों में अप्रत्याशित खर्चों से बचाने के साथ बजट बनाने में भी मदद करती है।

2. कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी और सामान्य वारंटी के बीच अंतर पहचानें

एक स्टैंडर्ड (सामान्य) वारंटी आमतौर पर तकनीकी अपवादों , महंगे मरम्मत खर्चों और अन्य छिपे हुए खर्चों के साथ केवल कुछ खास पार्ट्स पर ही सीमित कवरेज देती है। उदाहरण के लिए: 1 साल की प्रोडक्ट वारंटी और 5-10 साल की कंप्रेसर वारंटी वाले एसी (अउ) में लंबे समय के लिए सिर्फ कंप्रेसर ही कवर होगा।

अगर पीसीबी या फैन मोटर खराब होती है, गैस लीक होती है या कोई अन्य समस्या आती है, तो ग्राहकों को जेब से भुगतान करना होगा। इसके विपरीत, एक कॉम्प्रिहेंसिव वारंटी सभी प्रमुख हिस्सों को कवर करती है, जिससे मरम्मत के अचानक आने वाले खर्चों का जोखिम कम हो जाता है।

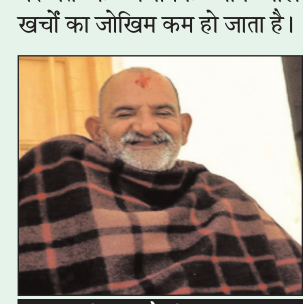
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

परिवारिक विवाद के चलते महिला ने तीन बच्चों को जहर खिलाकर खुद किया विषपान

मां समेत दो बच्चों की मौत, एक बेटी की हालत गंभीर

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)।जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के परसौना गांव में सोमवार की देर रात पारिवारिक विवाद से आहत होकर एक महिला ने अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाकर खुद भी जहर खा लिया। हादसे में महिला, एक पुत्र और एक बेटी की मौत हो गई, जबकि एक पुत्री की हालत गंभरी बनी हुई है, जिसका वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार परसौना गांव निवासी कुसुम (38 वर्ष) ने अपने बच्चों मधु (12 वर्ष), राधिका (10 वर्ष) और सत्या (8 वर्ष) को जहर देकर खुद भी खा लिया। हालत बिगड़ने पर चारों को पीएचसी मड़िहान लाया गया, जहां से हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया।इलाज के दौरान जिला अस्पताल में ही कुसुम और राधिका की मौत हो गई। जबकि मधु और सत्या की हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान सत्या ने भी दम तोड़ दिया। वहीं मधु की हालत गंभीर बनी हुई है।संतनगर थाना क्षेत्र के कुसुम्हा गांव निवासी कुसुम के भाई छोटू ने बताया कि बहनोई धर्मेंद्र दिल्ली में रहता है। चार दिन पहले घर आया था। कुसुम को शक था कि उसने दूसरी शादी कर ली है। इस विवाद को लेकर 12 जुलाई रविवार को मायके शीतलगढ़ में पूर्व ग्राम प्रधान के घर समझौता हुआ था कि धर्मेंद्र 13 जुलाई सोमवार को कुसुम को विदा कराकर ले जाएगा, लेकिन वह घर आकर चला गया और विदा नहीं कराया। इसी से आहत होकर कुसुम ने यह कदम उठाया।

बोलेरो ने साइकिल सवार वृद्ध को रौंदा, मकान में घुसी; मौत के बाद हंगामा

आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े ग्रामीण, कई घंटे बाद पुलिस ने वाहन कब्जे में लिया

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर बाजार में सोमवार को तेज रफ्तार बोलेरो की चपेट में आने से साइकिल सवार 65 वर्षीय वृद्ध की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद अनियंत्रित बोलेरो एक मकान का दरवाजा तोड़ते हुए अंदर जा घुसी। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया और पुलिस को कई घंटों तक वाहन हटाने नहीं दिया।

जानकारी के अनुसार, राजेपुर गांव निवासी हौसिला मिश्र (65) पुत्र स्वर्गीय लालता मिश्र सोमवार को रामेश्वरम मंदिर में दर्शन कर साइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे बाजार स्थित गुलाब मौर्य की दुकान के सामने पहुंचे, तेज रफ्तार बोलेरो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो देशी शराब की दुकान का सेल्समैन वीरेंद्र कुमार चला रहा था, जबकि वाहन मालिक मनोज उसके बगल में बैठा था। टक्कर के बाद बोलेरो हौसिला मिश्र को रौंदते हुए विद्या सिंह उर्फ मलकिन के मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर जा घुसी। घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

गंभीर रूप से घायल वृद्ध को ग्रामीणों ने तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोपी चालक की तत्काल गिरफ्तारी और मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हुए बोलेरो को मौके से हटाने से रोक दिया।

सूचना पर थानाध्यक्ष सत्येंद्र विक्रम सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार राय ने भी ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी का आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीण शांत हुए, जिसके बाद पुलिस ने बोलेरो को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

डिलीवरी के दौरान प्रसूता की मौत, परिजनों का डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।केराकत थाना क्षेत्र के नाऊपुर स्थित लाइफ केयर हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिटी एंड ट्रामा सेंटर में डिलीवरी के दौरान एक प्रसूता की मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हंगामा मच गया।

मृतका के परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि समय पर उचित उपचार नहीं मिलने के कारण प्रसूता की जान चली गई। आरोप है कि घटना के बाद डॉक्टर एवं अस्पताल संचालक अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चर्चित दूल्हा हत्याकांड के मुख्य आरोपी प्रदीप बिंद से जेल में पूछताछ करेगी पुलिस, कोर्ट ने दी अनुमति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय के बहुचर्चित दूल्हा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। अदालत ने पुलिस की अर्जी स्वीकार कर जेल नियमों के तहत आरोपी प्रदीप बिंद से पूछताछ की अनुमति दी है।

हाल ही में आरोपी ने पुलिस को चकमा देकर सीजेएम कोर्ट में किया था आत्मसमर्पण, जिसके बाद उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अचानक सरेंडर के कारण पुलिस पूछताछ नहीं कर पाई थी; अब जेल में पूछताछ कर हत्या की साजिश, असल वजह और अन्य आरोपियों का सुराग लगाएगी पुलिस।

पुरानी जेल परिसर में मिला कटा हुआ इंसानी पैर

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली से कुछ ही दूरी पर पुरानी जेल की जमीन पर मंगलवार को कटा हुआ मानव पैर मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस ने आसपास अन्य मानव अंगों की तलाश की, लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद कटे हुए पैर को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं की जांच कर रही है। खबर लिखे जाने तक मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

हेड मुंशी पर तीन हजार रुपये लेकर विरोधी को छोड़ने का आरोप

पीड़ित को 18 घंटे थाने में बैठाकर किया एकपक्षीय चालान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली पुलिस एक बार फिर सवालों के घेरे में है। कोतवाली क्षेत्र के औरी गांव निवासी दिनेश कुमार यादव ने हेड मुंशी पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस एक वीडियो वायरल कर पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारियों को से निष्पक्ष जांच की मांग की है। वायरल वीडियो में आरोप लगाया गया है कोतवाली के हेड मुंशी ने विरोधी पक्ष से तीन हजार रुपये लेकर उसे छोड़ दिया, जबकि उन्हें करीब 18 घंटे तक बिना भोजन-पानी के थाने में बैठाए रखा गया और बाद में उनका एकपक्षीय चालान कर दिया गया।

पीड़ित के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद के बाद पुलिस दोनों को कोतवाली लेकर आई थी। उनका आरोप है कि थाने में मौजूद हेड मुंशी ने कथित रूप से रुपये लेकर विरोधी पक्ष को छोड़ दिया, जबकि उन्हें पूरी रात और अगले दिन तक थाने में बैठाए रखा गया। इस दौरान उन्हें न तो भोजन दिया गया और न ही पीने के पानी की समुचित व्यवस्था की गई। बाद में केवल उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया गया, जबकि दूसरे पक्ष के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पीड़िता दिनेश कुमार यादव का कहना है कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखने का प्रयास किया, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। उनका आरोप है कि पूरे मामले में पुलिस ने निष्पक्षता के बजाय पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया। इससे उन्हें मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, थाने के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कर उसकी जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाती है तो पूरे मामले की सच्चाई स्वतः सामने आ जाएगी। इस संबंध में पूछने जाने पर क्षेत्राधिकारी अजय कुमार ने कहा यदि इस तरह का कोई मामला प्रकाश में आता तो संबंधित पुलिस कर्मी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर धार्मिक टिप्पणी के खिलाफ कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

किसी भी धर्म को बदनाम करने का किसी को हक नहीं- डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सोशल मीडिया पर धार्मिक टिप्पणी कर धर्म विशेष के खिलाफ गलत और आहत करने वाली पोस्ट के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान ने जिलाधिकारी जौनपुर को ज्ञापन सौप कर विधिक कार्यवाही किए जाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के बाद कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि पूनम सिंह नाम की एक महिला सोशल मीडिया पर मुस्लिम समुदाय के पैगम्बर मुहम्मद साहब के खिलाफ लगातार गलत टिप्पणी कर अल्पसंख्यक समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत किया जाता है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी जौनपुर से धार्मिक उन्माद फैलाने वाली पूनम सिंह के खिलाफ त्वरित कार्यवाही किए जाने की मांग करते हुए कहा कि ऐसे लोग समाज में जहर घोलने का काम करते हैं। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि पूनम सिंह के सोशल मीडिया आईडी से हर धर्म के खिलाफ गलत टिप्पणी बराबर की जाती रहती है। मुहम्मद पैगम्बर के खिलाफ की गयी टिप्पणी से मुसलमानो की भावनाओं को ठेस पहुंचा है। आरिफ खान के कहा कि सभी धर्म महान है, हर धर्म के धर्म गुरु लोगों को सही मार्ग दिखाते हैं। भगवान और पैगम्बर के खिलाफ टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्रशासन अविलंब कार्यवाही करें। इस मौके पर डा. परमेंदर सिंह, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू, पिछड़ावर्ग प्रकोष्ठ के प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संजय माली, सभासद शहनवाज मंजूर, अबुजर शेख, जिला सचिव इरशाद खान, मुहम्मद ताहिर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बसवार में विवाहिता का अर्द्धनग्न शव मिलने से सनसनी, पति समेत पांच ससुरालीजनों पर दहेज हत्या का मुकदमा

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के सोंगर गांव में सोमवार शाम बसवार (बांस की झाड़ियों) में एक विवाहिता का अर्द्धनग्न शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान राशिदा (24) पत्नी कलीमुद्दीन के रूप में हुई। पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर पति समेत पांच ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, राशिदा की शादी करीब दो वर्ष पूर्व सोंगर गांव निवासी कलीमुद्दीन से हुई थी। परिजनों का कहना है कि वह 8 जुलाई को पड़ोस में अपनी सहेली सबरीन की शादी में शामिल होने गई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद 9 जुलाई को खेतासराय थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी।

सोमवार शाम करीब छह बजे घर के पास बसवार में क्रिकेट खेल रहे बच्चों को पहले एक चप्पल दिखाई दी। तलाश करने पर झाड़ियों के भीतर विवाहिता का शव मिला।

शव काफी हद तक क्षत-विक्षत तथा अर्द्धनग्न अवस्था में था। सूचना मिलते ही प्रशिक्षु आईपीएस गोल्डी गुप्ता, क्षेत्राधिकारी शाहगंज तथा सर्किल के विभिन्न थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के भाई हारिश की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ससुर, ननद तथा चचेरे देवर के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। परिजनों का आरोप है कि मृतका का मोबाइल फोन, सोने की चेन और अंगूठी भी गायब हैं।

पुलिस के अनुसार, गुमशुदगी की जांच के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के आधार पर कुछ युवकों से पूछताछ भी की गई थी। फिलहाल पुलिस दहेज हत्या सहित अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर पर पति समेत पांच नामजद आरोपियों के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कार्यकताओं को किया जाएगा तकनीकी रूप से सशक्त

आधुनिक दौर में संगठन की मजबूती के लिए डिजिटल साक्षरता अनिवार्यः अजीत प्रजापति

भाजपा की मासिक बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर की मासिक संगठनात्मक बैठक आज सराय ख्वाजा स्थित जिला महामंत्री अजय सिंह के आवास पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। इस बार की मासिक बैठक का मुख्य फोकस पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण वर्ग' रहा।

बैठक में उपस्थित प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता से संगठन के चल रहे कार्यक्रमों की प्रगति, बूथ स्तर पर किए जा रहे कार्यों तथा आगामी अभियानों की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली गई सभी से एक-एक कर संवाद स्थापित करते हुए उनके सुझाव भी प्राप्त किए गए तथा प्रत्येक कार्यक्रम को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित एवं सफल ढंग से संचालित करने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बदलते समय के साथ राजनीति और संगठन के काम करने का तरीका भी बदला है आज के युग में तकनीक और सोशल मीडिया जनता से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम हैं इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा अपने कार्यकताओं के लिए एक विशेष डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण वर्ग शुरू की है।

बैठक के समापन पर जिला अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से इस डिजिटल

लर्निंग प्रशिक्षण वर्ग में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया ताकि संगठन को और अधिक तकनीकी रूप से सक्षम और प्रभावी बनाया जा सके। बैठक में अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई बदलते समय के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता का तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से समयबद्ध तरीके से डिजिटल लर्निंग प्रमाण पत्र तैयार कराने का आग्रह किया डिजिटल माध्यमों के उपयोग से संगठनात्मक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता बढ़ेगी।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने की। इस अवसर पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता संदीप तिवारी जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा राज पटेल परविन्द चौहान अमित श्रीवास्तव विनय सिंह नीरज मौर्य श्रीमती पुष्पा निषाद जिला मंत्री संतोष मिश्रा राजकेशर पाल धमेन्द्र मिश्रा डॉ० देवी प्रसाद सिंह श्रीमती अंशू नीरज मौर्या राजेश गुप्ता सुधांशु सिंह विकास शर्मा श्रीमती रीता जायसवाल दीपक सिंह घनश्याम यादव आमोद सिंह डॉ० अमरनाथ पाण्डेय विशाल गौतम रोहन सिंह अमित पाठक कुवँर दिग्विजय सिंह सिद्वार्थ राय जिला सह अवनीश यादव मेराज हैदर मण्डल अध्यक्ष मण्डल प्रभारी उपस्थिति रहे।

नवाब हुसैन गर्ल्स इंटर कॉलेज कलापुर की नव नियुक्त प्रधानाचार्य निकहत परवीन ने संभाला कार्यभार

कलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज, कलापुर की नव नियुक्त प्रधानाचार्य निकहत परवीन ने मंगलवार को विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। उनके पदभार संभालने पर विद्यालय परिवार ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नवाब हुसैन गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज एवं मॉर्डन कॉन्वेंट स्कूल के प्रबंधक डॉ. आबिद खान के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और छात्राओं के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आबिद खान ने कहा कि निकहत परवीन के नेतृत्व में विद्यालय नई उपलब्धियां हासिल करेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, कार्यकुशलता और सकारात्मक नेतृत्व से छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा तथा विद्यालय की प्रगति को नई दिशा और गति प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि संस्था शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं के नैतिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिए भी निरंतर कार्य करती रहेगी।

इस अवसर पर विद्यालय के लिपिक सुशील कुमार अस्थाना, शिक्षिकाएं बबीता, सविता, उज्मा , फिरदौस फातमा फायजा, अरीबा सिद्दीकी,ऋषु सिंह, सुषमा, पुष्पा प्रजापति,रोशनी एवं डिम्पल, शिक्षक राजाराम, सुमित अस्थाना, शिखर कुमार, अब्दुल रहमान, प्रभाकर,अब्दुल कलाम अजीज अहमद, मुन्ताज अहमद तथा मीडिया प्रभारी डॉ. इम्तियाज अहमद सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नव नियुक्त प्रधानाचार्य को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

लोहे की शटर चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मुबारकपुर थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए करीब 100 किलोग्राम वजन का चोरी हुआ लोहे का शटर बरामद कर लिया। इस मामले में एक चोर और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में संगठित चोरी गिरोह का भी खुलासा हुआ है, जबकि गिरोह का एक अन्य सदस्य अभी फरार है। पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई 2026 को खुझियाँ गांव निवासी इन्द्रबली यादव की दुकान से अज्ञात चोर करीब 100 किलोग्राम वजन का लोहे का शटर चोरी कर ले गए थे। पीड़ित की तहरीर पर मुबारकपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस को मुखबिर से सूचना के आधार पर सीसा ढाबा के पास घेराबंदी कर अवनीश चौहान को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसकी निशानदेही पर पुलिस जमुड़ी स्थित एक कबाड़ की दुकान पर पहुंची, जहां से चोरी गया 100 किलोग्राम वजन का लोहे का शटर बरामद कर लिया गया। मौके से कबाड़ दुकानदार खलीलुल्लाह को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उनका तीन सदस्यीय गिरोह है। गिरोह में अवनीश चौहान और श्रवण कुमार चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे, जबकि चोरी का सामान कबाड़ी खलीलुल्लाह की दुकान में छिपाकर रखा जाता था। बाद में उसे ऊंचे दामों पर बेचकर मिलने वाली रकम आपस में बराबर-बराबर बांट ली जाती थी।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार कबाड़ी खलीलुल्लाह पहले भी चोरी का माल खरीदने के कई मामलों में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ थाना सिधारी में चोरी और चोरी के माल की खरीद-फरोख्त से जुड़े कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपियों में अवनीश चौहान, निवासी धर्मागतपुर, थाना दुल्लहपुर, जनपद गाजीपुर तथा खलीलुल्लाह, निवासी जमुड़ी, थाना मुबारकपुर शामिल हैं।

स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा में डीएम सैमुअल पॉल एन. सख्त

गांवों में नियमित कूड़ा संग्रहण और ओडीएफ निगरानी के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में सोमवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों की स्थिति, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम), प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लक्ष्य, सामुदायिक शौचालयों की कार्यशीलता तथा ग्राम पंचायतों में स्वच्छता व्यवस्थाओं का बिंदुवार परीक्षण किया गया।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी ग्राम पंचायतों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण नियमित रूप से कराया जाए तथा प्रत्येक रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित निस्तारण हो सके। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से प्रत्येक गांव में स्वच्छ वातावरण विकसित किया जाए।

जिलाधिकारी ने खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए सभी खंड विकास अधिकारियों एवं सहायक विकास अधिकारियों (पंचायत) को निर्देशित किया कि ग्राम सचिवों और सफाई कर्मचारियों के माध्यम से प्रतिदिन सुबह-शाम निगरानी कराई जाए तथा ग्रामीणों को शौचालयों के नियमित उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए।

उन्होंने सामुदायिक शौचालयों में नियमित साफ-सफाई, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक शौचालय में प्रमुखता से यह संदेश अंकित कराने को कहा कि 'अपने बाद आने वाले दूसरे व्यक्ति के लिए शौचालय साफ रखें।' डीएम ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

बैठक में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयों, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक शौचालयों, रिसोर्स रिकवरी सेंटर तथा अंत्येष्टि स्थलों की भी समीक्षा की गई। जिन विकास खंडों में कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई, वहां निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित सभी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करने और जनसहभागिता बढ़ाकर जनपद को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वच्छता से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, वरिष्ठ कोषाधिकारी उमाशंकर, बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर, जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से एक घायल

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। सरायमीर थाना क्षेत्र में गोकशी की सूचना पर कार्रवाई करने पहुंची पुलिस और बदमाशों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार घेराबंदी के दौरान एक आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में की गई आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उनका एक अन्य साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि खासडीह बरईपुर बड़ी नहर के पास कुछ लोग गोवंश का वध कर मांस बिक्री के लिए ले जा रहे हैं। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक भुवनेश कुमार चौबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही आरोपी बोरियां छोड़कर भागने लगे। पीछा करने पर मेराज उर्फ साजिद खान ने पुलिस पर तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस द्वारा आत्मसमर्पण की चेतावनी देने के बावजूद वह दोबारा फायरिंग का प्रयास करने लगा। जवाबी कार्रवाई में उसके दाहिने पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया।

उसके दो साथियों गालिब और शहजाद को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे अपने फरार साथी अरहम के साथ मिलकर सुनसान स्थान पर गोवंश का वध करते थे और मांस को आसपास के गांवों में बेचते थे।

बिल्डर पर सुविधाएं बंद कर दबाव बनाने का आरोप, प्रभावितों ने प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

मुंबई। सांताक्रुज (पूर्व) के शिवाजी नगर स्थित चाल नंबर, 22, रूम नंबर 11, ए ग्रुप विल्यम चाल में रहने वाले देवदास रवींद्रनाथ मुरांजन ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र की चालों को तोड़कर बिल्डर द्वारा नई इमारत के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। हालांकि, अभी भी कई परिवार वहां निवास कर रहे हैं, जिनकी पुनर्वास संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। देवदास मुरांजन का कहना है कि बिल्डर द्वारा वहां रहने वाले लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान बिजली, नाली तथा अन्य दैनिक उपयोग की मूलभूत सुविधाएं बाधित कर दी गई हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक बिल्डर उनकी समस्याओं का उचित समाधान नहीं करता, तब तक वे अपना घर खाली नहीं करेंगे। उनका दावा है कि उनके पास अपने अधिकारों से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज और सबूत मौजूद हैं, इसके बावजूद उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। देवदास मुरांजन ने प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तथा राजनीतिक दलों से हस्तक्षेप कर प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की अपील की है। उनका कहना है कि क्षेत्र के अनेक परिवार इसी प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं और उन्हें भी उचित सहयोग एवं पुनर्वास मिलना चाहिए।

भामला फाउंडेशन अध्यक्ष आसिफ भामला का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया गया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भामला फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश के प्रवक्ता आसिफ भामला का जन्मदिन सोमवार को बांद्रा (पश्चिम) स्थित पीस हेवन बंगले, पेरी रोड पर सादगी एवं सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने आसिफ भामला का शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में समाजसेवक सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), सुखबीर सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। र्याक्रम के दौरान महाराष्ट्र विधान परिषद के उपसभापति सचिन भाऊ अहिर के हाथों जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य की उपस्थित लोगों ने सराहना करते हुए इसे समाज के प्रति सकारात्मक पहल बताया। इस अवसर पर अनेक शुभचिंतकों एवं गणमान्य अतिथियों ने आसिफ भामला को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के समापन पर आसिफ भामला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

डॉ राजीव कुमार बने बाड़मेर के संयुक्तनिदेशक

उदयपुरवाटी/झुंझुनूं। पशुपालन विभाग के वरिष्ठ एवं कर्मठ अधिकारी डॉ. राजीव रोहिल्ला को सयुंक्तनिदेशक पद पर पदोन्नत किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। लगभग पाँच माह पूर्व ही वे डेप्यटी डायरेक्टर के रूप में प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय में कार्यभार संभाला था और अब विभागीय पदोन्नति के तहत उन्हें संयुक्तनिदेशक के पद पर बाड़मेर नियुक्ति प्रदान की गई है। डॉ. रोहिल्ला ने अपने उत्कृष्ट प्रशासनिक कौशल, कार्यनिष्ठा एवं पशुपालकों के हित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों से विभाग में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी पदोन्नति को पशुपालन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इस पदोन्नति पर वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत ने दूरभाष पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. रोहिल्ला के नेतृत्व में विभाग नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा पशुपालकों को और अधिक प्रभावी सेवाएं मिलेंगी। डॉ. राजीव कुमार की इस उपलब्धि पर विभागीय अधिकारियों,कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने गांजा और एमडी ड्रग्स के आरोपियों को किया गिरफ्तार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर नशे के नेटवर्क और सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 9 जुलाई को गोविंद नगर खारचा निवासी संजू पिता बिंदादीन पटेल को 3.526 किलोग्राम गांजा और एक पिट्ठू बैग के साथ गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच के दौरान रतलाम जिले के बोरखेड़ा निवासी अनुज पिता जितेंद्र उर्फ छोटू जैन की संलिप्तता सामने आई। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने अनुज के कब्जे से 3.500 किलोग्राम गांजा बरामद किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शहर में नशे के आदी लोगों को गांजा बेचने के लिए लेकर आता था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वह गांजा किससे खरीदता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई करता था।

बांधकाम सभापति बनाए जाने पर कार्य सम्राट नगरसेवक शैलेश भोईर का स्वागत

अंबरनाथ। कार्यसम्राट नगरसेवक शैलेश भोईर (शिंदे गुट) को सोमवार को अंबरनाथ नगरपरिषद में निर्विरोध बांधकाम सभापति नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर शिवसेना (शिंदे गुट) अंबरनाथ शहर प्रमुख अरविंद वाडेकर ने उन्हें गुलदस्ता भेंटकर सम्मानित किया तथा नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान युवा सेना उप शहर प्रमुख समीर मगर, युवा नेता शेखर भोईर, सर्वोदय नगर के युवा नेता शनि सिंह और अनिलेश मिश्रा,पत्रकार आदेश मिश्र एवं शैलेश भोईर मित्र मंडल सहित बड़ी संख्या में कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में अंबरनाथ नगरपरिषद के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। शुभचिंतकों ने कहा कि कार्य सम्राट नगरसेवक शैलेश भोईर की कार्यशैली, जनसेवा के प्रति समर्पण और विकासोन्मुख सोच के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उनकी नियुक्ति से सर्वोदयनगर सहित पूरे क्षेत्र में विकास कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

वसई-विरार में बाढ़ की स्थिति पर समीक्षा बैठक संपन्न, राहत कार्य तेज करने के निर्देश

विरार । वसई-विरार क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश से उत्पन्न आपात स्थिति के मद्देनजर वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन मुख्यालय, विरार पश्चिम में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति तथा नागरिकों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में ड्रेनेज व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाएं, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली, जलभराव वाले क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित निकालने तथा राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सहायता पहुंचाने, जलभराव वाले इलाकों पर लगातार निगरानी रखने, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक उपाय लागू करने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी व्यवस्थाओं को पूरी तरह अलर्ट रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के दौरान यह मांग भी उठाई गई कि भारी बारिश और जलभराव से व्यापारियों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए राज्य सरकार उचित मुआवजा प्रदान करे।

इस समीक्षा बैठक में वसई की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित, पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, वसई-विरार महानगरपालिका के आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी., उपमहापौर मार्शल लोपिस, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, सदन के नेता प्रफुल साने, भाजपा ग्रुप लीडर एवं नगरसेवक अशोक शेलके, अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाड़े और दीपक सावंत सहित सभी नगरसेवक, पार्षद तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों को समन्वित और प्रभावी ढंग से कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों से शीघ्र राहत प्रदान की जा सके।

बाढ़ के दौरान भी निर्बाध परिवहन के लिए वसई-विरार को मिले छत पर बैटरी पैक वाली ई-बसें : विधायक राजन नाइक

वसई । वसई-विरार में मानसून के दौरान बार-बार होने वाले जलभराव को देखते हुए भाजपा विधायक राजन नाइक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग की है कि प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत वसई-विरार सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस के लिए स्वीकृत 100 इलेक्ट्रिक बसों में नीचे की बजाय छत पर बैटरी पैक वाली बसें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बाढ़ की स्थिति में भी सार्वजनिक परिवहन बिना बाधा जारी रह सके।

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत वसई-विरार सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस के लिए 100 इलेक्ट्रिक बसों को मंजूरी मिली है। जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित बसों में बैटरी पैक बस के निचले हिस्से में लगाए जाने की संभावना है। विधायक राजन नाइक का कहना है कि वसई-विरार में हर वर्ष भारी बारिश के दौरान कई क्षेत्रों में जलभराव हो जाता है, जिससे नीचे लगे बैटरी पैक और अन्य विद्युत उपकरणों के प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बसों के रखरखाव पर अतिरिक्त खर्च आने के साथ-साथ सेवा भी बाधित हो सकती है।

राजन नाइक ने कहा कि छत पर बैटरी पैक वाली इलेक्ट्रिक बसें बाढ़ प्रभावित शहरों के लिए अधिक उपयुक्त हैं। इनमें बैटरी और अन्य महत्वपूर्ण इलेक्ट्रिकल सिस्टम पानी के संपर्क से सुरक्षित रहते हैं, जिससे मानसून के दौरान भी बसों का सुरक्षित और सुचारु संचालन संभव हो सकेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए विधायक राजन नाइक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वसई-विरार की भौगोलिक परिस्थितियों और जलभराव की समस्या को देखते हुए केंद्र सरकार से रूफ-माउंटेड बैटरी पैक वाली इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक पहल की जाए, ताकि नागरिकों को वर्षभर निर्बाध और सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन सेवा मिल सके।

बाढ़ के बाद फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए वसई में भाजपा की पहल

वसई। हाल ही में हुई भारी बारिश और कई दिनों तक जलभराव की स्थिति के बाद बाढ़ से फैलने वाली बीमारियों की आशंका को देखते हुए वसई पश्चिम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भाजपा केरल सेल के समन्वयक उत्तम कुमार की पहल पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नवघर के सहयोग से शास्त्रीनगर स्थित भाजपा कार्यालय में लगाया गया।

शिविर में विशालनगर, शास्त्रीनगर, ओमनगर, वसई स्टेशन क्षेत्र तथा कृष्णा टाउनशिप सहित आसपास के क्षेत्रों के बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। आशा कार्यकताओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय नगरसेविका निम्मी जोशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर समर्थ मराठा संस्था के सचिव प्रकाश जाधव, जैसिंटा पिंच, बाला सावंत, प्रीति शर्मा, देवी रेड्डी, बबीता शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। वसई की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित, शिवसेना नेता नवीन दुबे तथा भाजपा जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नवघर को ब्लड प्रेशर (बीपी) जांच किट तथा डायबिटीज जांच किट भेंट की। उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भाजपा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की संयुक्त पहल सराहनीय है तथा ऐसे स्वास्थ्य शिविर समय रहते महामारी जैसी बीमारियों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नागरिकों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और ऐसे शिविरों का लाभ उठाने की अपील की। शिवसेना नेता नवीन दुबे ने कहा कि भारी बारिश के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। समाजहित में राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर ऐसे जनकल्याणकारी प्रयासों का समर्थन किया जाना चाहिए। समय पर स्वास्थ्य जांच और जनजागरूकता से संक्रामक बीमारियों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है।

कार्यक्रम के आयोजक उत्तम कुमार ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नवघर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बाढ़ के बाद उत्पन्न परिस्थितियों में महामारी के खतरे को रोकने के उद्देश्य से यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सामाजिक कल्याण के ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास जारी रहेगा।

स्वास्थ्य शिविर में डॉ. सुप्रिया शिंदे (मेडिकल ऑफिसर), डॉ. प्रगति भोईर (सीएचओ), शीतल खंडारे (सीएचओ), सुनील घोडके (हेल्थ असिस्टेंट), स्वाति शेलार (एएनएम), अक्षय काले, मंगेश शेरे, विशाल चव्हाण (एमपीडब्ल्यू), प्रतिभा पाटिल (बीएफ), संजना घाटल, अंजलि चौधरी (एएनएम), शुभम पाटिल सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं।

इसके अलावा आशा कार्यकर्ता अंजलि बोरसे, लीना पाटिल, शशिकला राजभर, चेतना घरत एवं पल्लवी घरत ने भी लोगों की स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी आशा कार्यकताओं को साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया।

शिविर को सफल बनाने में एडवोकेट प्रणित कोप्पिकर, नारायण शेट्टी, एडवोकेट जितेंद्र पांडे, ऋषि वोरानी, श्रीशंकर, अमरदास एवं सुकुमार सहित अनेक सामाजिक कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

अंतरराज्यीय MLM ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना पुलिस ने फर्जी मल्टी लेवल मार्केटिंग (MLM) और पिरामिड चेन नेटवर्क के जरिए बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भी सक्रिय बताया जा रहा है और बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाकर ठगी करता था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल फोन, एक महिंद्रा थार कार, एक बुलेट, एक पल्सर मोटरसाइकिल, नकदी तथा कंपनी से जुड़े कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए हैं। साथ ही ठगी के जाल में फंसे करीब 30 युवक-युवतियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर मुक्त कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी "MS EARTH इंटरप्राइजेज के नाम से फर्जी कंपनी संचालित कर एक MLM कंपनी की फ्रेंचाइजी के जरिए युवाओं को 25 हजार प्रतिमाह नौकरी का लालच देकर वाराणसी बुलाते थे। वहां कॉरपोरेट ऑफिस जैसा माहौल तैयार कर इंटरव्यू लिया जाता था और रजिस्ट्रेशन के नाम पर प्रत्येक युवक से 30 से 35 हजार तक वसूले जाते थे। इसके बदले उन्हें मामूली सामान की किट देकर ट्रेनिंग सेंटर भेज दिया जाता था। जांच में सामने आया कि ट्रेनिंग के दौरान युवाओं का ब्रेनवॉश कर उनसे अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को इस नेटवर्क से जोड़ने का दबाव बनाया जाता था। प्रत्येक सदस्य को तीन नए लोगों को जोड़ने का लक्ष्य दिया जाता था। लक्ष्य पूरा न करने पर वेतन और जमा धनराशि वापस न करने की धमकी दी जाती थी। पुलिस जांच में मुख्य आरोपी राहुल राजभर के बैंक खाते में करीब 34 करोड़ रुपये के लेन-देन की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल राजभर, संतोष कुमार पटेल, हवलदार पाल, प्रदीप पाल, चंदन दोहरे, रितेश राजभर और अरविंद राजभर शामिल हैं।

पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच जारी है। गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है तथा इस नेटवर्क से जुड़े आर्थिक लेन-देन की भी जांच की जा रही है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा की गई।

नालासोपारा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति सुधारने की मांग

नालासोपारा। 4 से 8 जुलाई 2026 के बीच हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण वसई तालुका के कई इलाकों में कई दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। इस समस्या को लेकर भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (महावितरण) के वसई स्थित अधीक्षण अभियंता से मुलाकात कर प्रभावित क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग की। भाजपा जिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका प्रज्ञा कमलाकर पाटिल के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल में भाजपा ग्रुप लीडर अशोक शेल्के, नगरसेवक चंद्रकांत गोरीवाले, जयप्रकाश वाजे, शरद सुर्वे, अभय कक्कड़, विशाल जाधव, स्मिता पाटिल, पूर्व नगरसेवक भूपेंद्र पाटिल, भाजपा जिला सचिव शशिकांत दुबे सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को बताया कि नालासोपारा रेलवे स्टेशन क्षेत्र, संयुक्ता नगर, अलकापुरी, आइडियल स्कूल क्षेत्र, जेबीएस स्कूल क्षेत्र, नादब्रह्म, सर्वे नंबर-111, अंबिका नगर, मौली नगर, राजनगर, विजय पार्क, दुबे मेडिकल कॉलेज क्षेत्र, अचोले मेन रोड, मजेठिया क्षेत्र, राजमाता नगर, शंखेश्वर नगर सहित कई बाढ़ प्रभावित इलाकों में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिससे नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों के जनप्रतिनिधियों ने बार-बार बिजली ट्रिपिंग, लो-वोल्टेज, पुराने ट्रांसफॉर्मरों पर बढ़ते लोड, बिजली डीपी एवं ट्रांसफॉर्मरों के जलभराव में डूबने से उत्पन्न खतरे तथा अन्य तकनीकी समस्याओं को विस्तार से रखा और उनके तत्काल समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली डीपी और ट्रांसफॉर्मरों की ऊंचाई बढ़ाने, बढ़ती मांग के अनुरूप नए ट्रांसफॉर्मर स्थापित करने, पुराने बिजली नेटवर्क का आधुनिकीकरण करने, तकनीकी सर्वे कराने तथा स्थायी समाधान लागू करने की मांग भी की। अधीक्षण अभियंता ने प्रतिनिधिमंडल की सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की बिजली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा तथा आवश्यक सुधारात्मक कदम जल्द उठाए जाएंगे।

डॉ. अभिषेक शुक्ला सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार से सम्मानित

लखनऊ। संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के 30वें दीक्षांत समारोह में आज न्यूरोसर्जरी विभाग के डॉ. अभिषेक एस. शुक्ला को प्रतिष्ठित डॉ. एस.एस. अग्रवाल उत्कृष्ट शोध पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। डॉ. शुक्ला को यह सम्मान उनके शोध पत्र ऱ्ब्रेन सर्जरी के बाद प्रारंभिक पोस्ट-ऑपरेटिव सीटी स्कैन की नैदानिक महत्ता और उपयोगिताः एक संभावित अध्ययनऱ के लिए प्रदान किया गया। इस अध्ययन में 339 मरीजों पर किए गए शोध में पाया गया कि स्थिर या अपेक्षित न्यूरोलॉजिकल स्थिति वाले मरीजों में सर्जरी के तुरंत बाद रूटीन सीटी स्कैन से मरीजों के उपचार में बहुत कम बदलाव आता है। शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि विस्तृत न्यूरोलॉजिकल जांच के साथ आवश्यकता पड़ने पर ही चयनात्मक सीटी स्कैन करना अधिक कुशल और लागत प्रभावी तरीका है।यह शोध कार्य न्यूरोसर्जरी विभाग, एसजीपीजीआई के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने पर डॉ. अभिषेक एस. शुक्ला ने कहा कि मुझे एस.एस. अग्रवाल पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर अत्यंत गर्व है। मैं अपने विभाग, गुरुओं और संस्थान का आभार व्यक्त करता हूँ। यह सम्मान मुझे भविष्य में भी रोगियों के हित में शोध कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा।

राजेंद्र विश्वकर्मा, सुनील राणा और जेपी शर्मा दूसरी बार निर्विरोध चुने गए अध्यक्ष, चेयरमैन व महासचिव

मुंबई। विश्वकर्मा समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था विश्वकर्मा समिति, मुंबई ने एक बार फिर अपने वर्तमान नेतृत्व पर अटूट विश्वास जताते हुए राजेंद्र विश्वकर्मा, सुनील राणा और एडवोकेट जेपी शर्मा को लगातार दूसरी बार क्रमशः अध्यक्ष, चेयरमैन और महासचिव के पद पर निर्विरोध चुन लिया। समाज के वरिष्ठजनों, प्रबुद्ध वर्ग और संस्था के सदस्यों की सर्वसम्मति से लिए गए इस निर्णय को संगठन की एकता और नेतृत्व के प्रति विश्वास का प्रतीक माना जा रहा है।

सोमवार को कालीना स्थित विश्वकर्मा समिति परिसर में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में तीनों पदाधिकारियों के चयन की औपचारिक घोषणा की गई। साथ ही उन्हें नई कार्यकारिणी एवं संस्था की विभिन्न समितियों के गठन का अधिकार भी सौंप दिया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व कार्यकारिणी का कार्यकाल गत 22 जून को समाप्त हो गया था।

बैठक के दौरान कुछ सदस्यों ने लोकतांत्रिक परंपरा के अनुरूप चुनाव कराने का सुझाव दिया, लेकिन अधिकांश वरिष्ठ सदस्यों और गणमान्य नागरिकों का मत था कि जब वर्तमान नेतृत्व ने बीते तीन वर्षों में संगठन को नई दिशा दी है और समाजहित में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, तब अनावश्यक चुनाव के बजाय सर्वसम्मति से उन्हें पुनः दायित्व सौंपना अधिक उचित होगा। इसके बाद आम सहमति से तीनों पदाधिकारियों का अगले तीन वर्षों के लिए पुनः मनोनयन कर दिया गया। विश्वकर्मा समिति का यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि कुछ वर्ष पहले तक संस्था गुटबाजी और आंतरिक विवादों के कारण अपनी पहचान खोती जा रही थी। वर्ष 2022 में समाज के प्रबुद्ध वर्ग की पहल तथा चैरिटी आयुक्त की सहमति से समिति में एकता स्थापित करने के उद्देश्य से तीन सदस्यीय टास्क टीम का गठन किया गया। इस टीम ने लगभग एक वर्ष तक अथक प्रयास करते हुए सभी गुटों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत संवाद किया, मतभेद दूर किए और संगठन को एक सूत्र में पिरोने में सफलता प्राप्त की। इसके बाद सभी गुटों की समितियों को भंग कर संगठन की बागडोर टास्क टीम को सौंपी गई और वर्ष 2023 में चैरिटी आयुक्त के निर्देशानुसार उसी टीम के सदस्यों राजेंद्र विश्वकर्मा, सुनील राणा और एडवोकेट जेपी शर्मा को अध्यक्ष, चेयरमैन और महासचिव का दायित्व सौंपा गया था।

नवनिर्वाचित चेयरमैन सुनील राणा ने कहा कि समिति के विकास की अगली बड़ी योजना कालीना स्थित चार मंजिला भवन का विस्तार कर उसे आठ मंजिला आधुनिक भवन के रूप में विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। भवन की नींव डालते समय ही भविष्य में आठ मंजिल तक विस्तार की योजना बनाई गई थी और अब आवश्यक स्वीकृतियां मिलते ही इसे शीघ्र पूरा किया जाएगा।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने पिछले तीन-चार वर्षों के दौरान समिति द्वारा किए गए कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान नेतृत्व ने संगठन में पारदर्शिता, अनुशासन और सक्रियता का वातावरण बनाया है तथा प्रत्येक पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारी का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन कर रहा है। सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में विश्वकर्मा समिति शीघ्र ही अपने पुराने गौरव और प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करेगी।

नेटफ्लिक्स की 'ऑपरेशन सफेद सागर' सीरीज 7 अगस्त से होगी रिलीज

मुंबई। नेटफ्लिक्स ने आज घोषणा की कि भारतीय वायुसेना के सबसे चुनौतीपूर्ण युद्ध अभियानों में से एक पर आधारित नई मिलिट्री ड्रामा सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 7 अगस्त से दुनिया भर में स्ट्रीम होगी।

1999 के कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी 'ऑपरेशन सफेद सागर' भारतीय वायुसेना की 'गोल्डन एरोज स्क्वाड्रन' की अब तक अनकही बहादुरी की कहानी दिखाती है। कठिन परिस्थितियों और बड़ी चुनौतियों के बावजूद इस स्क्वाड्रन ने अपने मिशन को सफल बनाया। सीरीज में उनके साहस, बलिदान और देश के प्रति समर्पण को दिखाया गया है। साथ ही, भारतीय सैन्य इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय को दर्शकों के सामने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। 'ऑपरेशन सफेद सागर' का निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज को अभिजीत सिंह परमार और कुशल श्रीवास्तव ने बनाया है। इसमें सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दिया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने कहा, ऱनेटफ्लिक्स में हम हमेशा ऐसी नई और दमदार कहानियां दर्शकों तक पहुंचाने की कोशिश करते हैं, जो पहले कभी नहीं बताई गईं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी ऐसी ही एक कहानी है, जिसे भारतीय वायुसेना ने हम पर भरोसा करके दुनिया तक पहुंचाने की जिम्मेदारी दी है। कारगिल युद्ध में भारतीय वायुसेना की भूमिका से प्रेरित यह भारत की अपनी तरह की पहली वेब सीरीज है। यह सीरीज गोल्डन एरोज स्क्वाड्रन के साहस, टीमवर्क और देश के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि देती है। इसमें उन वायुसेना के जवानों की प्रेरणादायक कहानी दिखाई गई है, जिन्होंने अपने कर्तव्य से बढ़कर देश की सेवा की। इस सीरीज के जरिए दर्शकों को भारतीय वायुसेना के पायलटों का जीवन करीब से देखने का मौका मिलेगा।

उनके साहस, उनकी रोजमर्रा की जिंदगी और देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए हर पल लिए जाने वाले महत्वपूर्ण फैसलों को इसमें वास्तविक रूप से दिखाया गया है। बड़े स्तर पर फिल्मांकन, बेहतरीन प्रोडक्शन और शानदार विजुअल इफेक्ट्स के कारण यह सीरीज दर्शकों को वास्तविक युद्ध जैसा अनुभव देगी।

मायके जाने के विवाद के बीच विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस,

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के पराऊगंज चौकी अंतर्गत चंवरी बाजार के समीप सोनकर बस्ती में सोमवार शाम एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटकने से मौत हो गई। घटना से इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सोनकर बस्ती निवासी राजेंद्र सोनकर की 25 वर्षीय पत्नी पूनम सोनकर अपने कमरे में फंदे से लटकी मिलीं।

परिजनों का कहना है कि मायके जाने की बात को लेकर पिछले दो दिनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। घटना की सूचना मिलते ही तहसीलदार केराकत अजीत कुमार, थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार सिंह तथा पराऊगंज चौकी प्रभारी संतोष यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव को नीचे उतारा गया।

पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

सुलह नहीं, फैसला चाहिए–तीनों धर्मस्थल विवादों में दोनों पक्ष अपने-अपने दावों पर अडिग

-सुरेश गांधी

वाराणसी। अयोध्या राम मंदिर विवाद के न्यायिक पटाक्षेप के बाद देश के तीन सबसे चर्चित धार्मिक स्थल विवाद–वाराणसी का ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी प्रकरण, मथुरा का श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद और संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद–में सहमति आधारित समाधान तलाशने की सुप्रीम कोर्ट की पहल फिलहाल सफल नहीं हो सकी। तीनों मामलों में संबंधित पक्षकारों ने मध्यस्थता (टीं३ड्ढल्ल) के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। अब इन मामलों का भविष्य पूरी तरह नियमित न्यायिक प्रक्रिया और सर्वोच्च न्यायालय के आगामी निदेशों पर निर्भर करेगा।

सुप्रीम कोर्ट की पहल 'समाधान समारोह-2026' (SAMADHAN SAMAROH) के तहत 21 से 23 अगस्त को प्रस्तावित विशेष लोक अदालत से पहले संबंधित पक्षों को मध्यस्थता केंद्र बुलाकर यह परखा जा रहा था कि क्या वर्षों पुराने धार्मिक विवादों का कोई सहमति आधारित समाधान निकल सकता है। लेकिन वाराणसी में हुई पहली महत्वपूर्ण बैठक ही बेनतीजा रही। यही रुख अन्य संबंधित मामलों में भी सामने आया।

ज्ञानवापी : पहली ही बैठक में स्पष्ट हो गए दोनों पक्षों के रुख

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी विवाद में मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायालय, वाराणसी के मध्यस्थता केंद्र (मनोरंजन कक्ष) में हुई बैठक में चारों वादों (पत्रावलियों) के पक्षकार और अधिवक्ता उपस्थित हुए। प्रारंभिक वार्ता के दौरान ही हिंदू और मुस्लिम दोनों पक्षों ने स्पष्ट कर दिया कि वे समझौते के बजाय अदालत के अंतिम निर्णय को ही स्वीकार करेंगे।

मंदिर पक्ष : यह मंदिर है, समझौते का प्रश्न ही नहीं२

मंदिर पक्ष की ओर से मूल वाद भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान एवं अन्य वादों से जुड़े पक्षकार और अधिवक्ता उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी, अधिवक्ता मदन मोहन यादव, शैलेंद्र पाठक, रेखा पाठक सहित अन्य

अधिवक्ताओं ने मध्यस्थता केंद्र में अपना पक्ष रखा। वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि उन्हें पहले से ही उम्मीद नहीं थी कि इस प्रकार के ऐतिहासिक, धार्मिक और विधिक विवाद का समाधान मध्यस्थता से निकल पाएगा। उनके अनुसार अब मध्यस्थता की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी और आगे की कार्रवाई वहीं तय होगी। अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने कहा कि हिंदू पक्ष का स्पष्ट मत है कि ज्ञानवापी परिसर मूल काशी विश्वनाथ मंदिर का हिस्सा है और वहां किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने एएसआई सर्वे रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि सर्वे में मंदिर से जुड़े अवशेष मिले हैं। अधिवक्ता एवं दीपक सिंह व शैलेंद्र पाठक ने कहा कि परिसर के तलगृह में वर्तमान में भी पूजा-अर्चना हो रही है और हिंदू पक्ष केवल अपने धार्मिक अधिकारों की पूर्ण बहाली चाहता है।

मुस्लिम पक्ष : स्वामित्व विवाद का समाधान केवल अदालत करेगी२

अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से सचिव एस. एम. यासीन तथा अधिवक्ताओं मुमताज अहमद और तौहीद खान ने मध्यस्थता में भाग लिया, लेकिन स्पष्ट कर दिया कि स्वामित्व और संवैधानिक प्रश्नों से जुड़े विवाद का समाधान लोक अदालत या मध्यस्थता से संभव नहीं है। अधिवक्ता मुमताज अहमद ने कहा कि एक पक्ष इसे मस्जिद और दूसरा पक्ष मंदिर बता रहा है। ऐसे में केवल सक्षम न्यायालय ही साक्ष्यों और कानून के आधार पर अंतिम निर्णय दे सकता है। अधिवक्ता तौहीद खान ने कहा कि पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 की वैधता से जुड़ी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। जब तक उन पर निर्णय नहीं हो जाता, तब तक इस विवाद में मेरिट के आधार पर आगे बढ़ना उचित नहीं होगा।

प्रदेश सरकार की ओर से अधिवक्ता राजेश मिश्र ने बताया कि दोनों पक्ष मध्यस्थता केंद्र में उपस्थित हुए, लेकिन किसी प्रकार की सहमति नहीं बन सकी। सभी पक्ष अपने-अपने दावों पर दृढ़ रहे और अदालत से निर्णय चाहने की बात कही।

ज्ञानवापी परिसर को लेकर हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मूल आदि विश्वेश्वर (काशी विश्वनाथ) मंदिर का स्थल है, जिसे 1669 में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में ध्वस्त कर मस्जिद का निर्माण कराया गया। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष का कहना है कि यह वैध वक्फ संपत्ति है और पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 के तहत इसकी धार्मिक प्रकृति बदली नहीं जा सकती। जिला न्यायालय के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा कराए गए सर्वे की रिपोर्ट भी न्यायिक रिकॉर्ड का हिस्सा है। रिपोर्ट की व्याख्या को लेकर दोनों पक्षों के अलग-अलग दावे हैं और इस पर अंतिम निर्णय न्यायालय को करना है।

मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में भी पक्षकारों ने स्पष्ट किया है कि विवाद का समाधान केवल न्यायिक प्रक्रिया से होना चाहिए। हिंदू पक्ष 1968 के समझौते की वैधता को चुनौती दे रहा है, जबकि मस्जिद प्रबंधन उसी समझौते और प्रचलित कानूनों का हवाला दे रहा है। इसी प्रकार संभल की शाही जामा मस्जिद विवाद में भी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया गया। हिंदू पक्ष वहां प्राचीन हरिहर मंदिर होने का दावा करता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे ऐतिहासिक मस्जिद और वैध इबादतगाह बताता है।

महाराष्ट्र की बिजली व्यवस्था पर बढ़ता दबाव: समय रहते सुधार जरूरी

मुंबई। महाराष्ट्र में बार-बार हो रही बिजली कटौती अब सामान्य व्यवधान नहीं, बल्कि बिजली वितरण व्यवस्था पर बढ़ते दबाव का संकेत है। नागपुर में ट्रांसफॉर्मर खराबी, मुंबई में लंबे पॉवर कट और नवी मुंबई में विरोध प्रदर्शन बताते हैं कि पीक डिमांड और चरम मौसम के दौरान वितरण नेटवर्क की कमजोरियां और स्पष्ट हो रही हैं। मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में तेज शहरीकरण ने मौजूदा बिजली ढांचे पर दबाव बढ़ा दिया है। इस गर्मी में खारघर जैसे इलाकों में छह-छह घंटे तक बिजली कटौती, रिकॉर्ड मांग के कारण नागपुर में ट्रांसफॉर्मर फेल होना, पुणे में 24 घंटे से अधिक की बिजली कटौती और नवी मुंबई में लगातार कटौती के खिलाफ विरोध प्रदर्शन–ये सभी समय पर नेटवर्क विस्तार और आधुनिकीकरण की जरूरत को रेखांकित करते हैं। लगातार बिजली कटौती केवल असुविधा नहीं है। वोल्टेज में उतार-चढ़ाव से उपकरणों को नुकसान हो सकता है, जबकि ट्रांसफॉर्मर खराबी बिजली सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती है। धीमी मरम्मत और कमजोर संवाद से उपभोक्ताओं का भरोसा भी प्रभावित होता है। बुजुर्गों, बच्चों और निर्बाध बिजली पर निर्भर मरीजों के लिए यह जन-कल्याण से जुड़ा मुद्दा बन जाता है। समता पावर के निदेशक डी.डी. अग्रवाल के अनुसार, हालिया बिजली कटौती यह दिखाती है कि बिजली परिसंपत्तियों के रखरखाव और दीर्घकालिक योजना को मजबूत करने की जरूरत है। बिजली नेटवर्क में अब प्रतिक्रियात्मक मरम्मत के बजाय कंडीशन-बेस्ड और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस की ओर बढ़ना आवश्यक है। डिजिटल मॉनिटरिंग, प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस और सक्रिय एसेट मैनेजमेंट आधुनिक बिजली व्यवस्था के लिए अहम हैं। अग्रवाल ने कहा कि महाराष्ट्र की बिजली कंपनियों को निर्णायक कदम उठाने होंगे। टरएऊछ जैसी यूटिलिटीज को ग्रिड मजबूती के लिए बुनियादी ढांचे का उन्नयन, ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ाना और प्रेडिक्टिव मेंटेनेंस अपनाना चाहिए। वहीं इएरळ जैसी शहरी यूटिलिटीज को केबल रिप्लेसमेंट, डिजिटल निगरानी और उपभोक्ता संचार को और मजबूत करना होगा। रियल-टाइम सूचना व्यवस्था से योजनाबद्ध और अचानक होने वाली कटौती के दौरान पारदर्शिता बढ़ेगी।

बिहार बॉयज बने जूनियर नेशनल रग्बी चैंपियन, महाराष्ट्र को हराकर जीता स्वर्ण पदक

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित जूनियर नेशनल रग्बी 7S चैंपियनशिप 2026 में बिहार बॉयज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में बिहार ने महाराष्ट्र को 38-05 से एकतरफा अंदाज में पराजित कर राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। बिहार की टीम ने नॉकआउट चरण में दमदार खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में बिहार ने केरल को 42-00 से हराया। इस मुकाबले में आयुष और बजरंगी ने 10-10 अंक बनाए, जबकि शुभम ने 7, सनी और पवन ने 5-5 अंक जोड़कर टीम को शानदार जीत दिलाई। सेमीफाइनल में बिहार का सामना ओडिशा से हुआ, जहां टीम ने कड़े मुकाबले में 12-07 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में पवन ने 5, रोहित ने 5 और शुभम ने 2 अंक बनाकर जीत में अहम भूमिका निभाई।

फाइनल में बिहार के खिलाड़ियों ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और महाराष्ट्र को कोई मौका नहीं दिया। बिहार की ओर से शुभम ने सर्वाधिक 15 अंक बनाए। इसके अलावा आयुष ने 6, रोहित, पवन और सनी ने 5-5 तथा राहुल ने 2 अंक अर्जित किए। बिहार ने शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर मुकाबला 38-05 से जीतकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बिहार बॉयज टीम ने जूनियर नेशनल रग्बी 7२ चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर राज्य का गौरव बढ़ाया। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और रग्बी प्रेमियों में इस उपलब्धि को लेकर खुशी की लहर है।

संक्षिप्त परिणामः

* क्वार्टर फाइनलः बिहार 42-00 केरल
* सेमीफाइनलः बिहार 12-07 ओडिशा
* फाइनलः बिहार 38-05 महाराष्ट्र

चैंपियनः बिहार बॉयज टीम

22 जुलाई को लॉन्च होगी एआई-चालित नई 'गैलेक्सी वॉच'

मुंबई। जैसे-जैसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है, मोबाइल डिवाइस इसके इस्तेमाल का सबसे अहम माध्यम बन रहे हैं। सैमसंग का लक्ष्य एआई को लोगों की दैनिक जिंदगी का ऐसा हिस्सा बनाना है, जो बिना किसी जटिलता के उनकी जरूरतों के मुताबिक काम करे और हर कदम पर उपयोगी साबित हो। इसी दिशा में कंपनी अपने पूरे गैलेक्सी इकोसिस्टम में एआई आधारित स्मार्ट फीचर्स का विस्तार कर रही है। इसमें गैलेक्सी वॉच की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी, जो हमेशा सक्रिय रहकर यूजर्स को उनकी सेहत से जुड़ी व्यक्तिगत और उन्नत जानकारी उपलब्ध कराएगी। नई गैलेक्सी वॉच यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के बेहतर हेल्थ मॉनिटरिंग का अनुभव देगी। यह बैकग्राउंड में लगातार काम करते हुए सेहत से जुड़ी जानकारियां जुटाएगी और हेल्थ मॉनिटरिंग को रोजमर्रा की दिनचर्या का सहज हिस्सा बना देगी। नए इंटरनल हार्डवेयर और बेहतर बैटरी के साथ आने वाली यह स्मार्टवॉच पहले से ज्यादा समय तक और अधिक सटीक तरीके से हेल्थ डेटा रिकॉर्ड कर सकेगी।

गैलेक्सी वॉच अब तक यूजर्स की नींद, मूवमेंट और दैनिक गतिविधियों को ट्रैक कर उनकी सेहत की अहम जानकारियां जुटाती रही है। अब एआई से मिलने वाले स्मार्ट इनसाइट्स के साथ यह पहले से ज्यादा सक्षम हो गई है। इसकी मदद से यूजर्स अपनी सेहत को रियल-टाइम में बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और समय रहते जरूरी कदम भी उठा पाएंगे। सैमसंग 22 जुलाई को शाम 6:30 बजे (भारतीय समयानुसार) आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में नई गैलेक्सी वॉच से पर्दा उठाएगा। कंपनी के मुताबिक, एआई आधारित कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम से लैस यह स्मार्टवॉच यूजर्स को अपनी सेहत की बेहतर निगरानी करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद करेगी।

लैंसेट रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षित विकल्पों ने न्यूजीलैंड में धूम्रपान की दर को 40 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई/ नई दिल्ली। 'लैंसेट रीजनल हेल्थ झ्र वेस्टर्न पैसिफिक' की हालिया स्टडी में देश में धूम्रपान में अब तक की सबसे तेजी से आई कमी की रिपोर्ट दी गई है। 20वीं सदी के मध्य में न्यूजीलैंड में पुरुषों में रोजाना धूम्रपान करने वालों की संख्या लगभग 40% और महिलाओं में एक-तिहाई थी। पारंपरिक तंबाकू नियंत्रण उपायों के तहत 2015-16 तक यह घटकर 15% हो गई, और फिर 2018 में निकोटीन के सुरक्षित विकल्पों को धूम्रपान छोड़ने में मदद करने वाले साधनों के तौर पर आधिकारिक मान्यता मिलने के बाद 2022-23 तक यह 7% से भी कम हो गई।

इस अध्ययन के लिए एक स्टैटिस्टिकल विधि, जॉइनपॉइंट रिग्रेशन एनालिसिस का इस्तेमाल किया गया, जिससे समय के उस बिंदु की पहचान होती है, जब कोई रूझान अपनी दिशा बदलता है। साथ ही, यह भी पता चलता है कि यह बदलाव कितनी तेजी से हो रहा है। इससे शोधकताओं को यह पुष्टि करने में मदद मिली कि गिरावट की दर में पाँच गुना तेजी आई है और यह 3.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष से बढ़कर 17.9 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गई है। भारत में धूम्रपान करने वाले लोग 13.5 करोड़ हैं। यानी, हमारे देश पर दुनिया में तम्बाकू से होने वाली समस्याओं के सबसे बड़े बोझों में से एक है। इसलिए, भारत के लिए ये नतीजे प्रमाण आधारित संदर्भ के रूप में काफी ज्यादा महत्व रखते हैं।

डॉ. सौरभ तोमर, एमबीबीएस, एमडी, पल्मोनरी मेडिसीन, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजिस्ट, आकाश हैल्थकेयर, द्वारका, नई दिल्ली ने कहा, लैंसेट के अध्ययन ने वही बात प्रमाणित की है, जिसका अवलोकन क्लिनिशियन करते आए हैं। पारंपरिक तम्बाकू नियंत्रण के प्रभाव का दायरा सीमित है। न्यूजीलैंड में डब्लूएचओ के सभी उपायों को लागू करने, सादा पैकेजिंग, ग्राफिक चेतावनी और एक दशक तक उत्पाद शुल्क बढ़ाते रहने के बाद भी धूम्रपान की दर में केवल मामूली गिरावट दर्ज हुई। बड़ा परिवर्तन तब आया, जब 2018/19 में धूम्रपान रोकने के विकल्प के रूप में रैगुलेटेड और कम नुकसान वाले निकोटीन विकल्पों को मंजूरी दी गई और ये विकल्प व्यस्कों को उपलब्ध कराए गए। विज्ञान ने प्रमाणित कर दिया है फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी और कार्डियोवैस्कुलर रोग करने वाले 7,000 से अधिक कैमिकल तम्बाकू के जलने से उत्पन्न होते हैं,

एसटी महामंडल की लापरवाही पर मनसे का जवाब; स्कूली छात्रों के लिए शुरू की मुफ्त बस सेवा

मुंबई। महाराष्ट्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली एसटी बस सेवा इन दिनों खराब व्यवस्था और कमजोर योजना के कारण पूरी तरह कमजोर हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर बसें नहीं मिलतीं, कई बसें खराब हालत में हैं और छात्रों के बस पास से जुड़े मामले भी लंबे समय से अटके हुए हैं। इससे आम लोगों के साथ-साथ स्कूली छात्रों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार और प्रशासन की इसी लापरवाही पर सवाल उठाते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने खुद आगे आकर छात्रों के लिए मुफ्त बस सेवा शुरू की है। २अगर सरकार अपना काम नहीं कर रही, तो मनसे है ना!२ यह संदेश देते हुए मनसे नेता राजू उंबरकर ने छात्रों की मदद के लिए सीधे कदम उठाया है। मनसे नेता राजू उंबरकर की संकल्पना से 'अमित साहेब ठाकरे दत्तक योजना' चलाई जा रही है। इस योजना के अंतर्गत स्कूली छात्रों की पढ़ाई में कोई रुकावट न आए और उन्हें यात्रा के लिए होने वाली परेशानी से राहत मिले तथा सुरक्षित सफर उपलब्ध हो, इसके लिए 'चनोडा से मारेगांव' मार्ग पर विशेष 'मुफ्त बस सुविधा' शुरू की गई है। मानव विकास मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बसें उपलब्ध कराई गई थीं, लेकिन ये बसें छात्रों के निर्धारित स्टॉप पर नहीं रुकती थीं। इससे छात्रों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा था। मनसे की इस मुफ्त बस सेवा से छात्रों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है। मुफ्त बस सेवा के उद्घाटन के दौरान मनसे के जिला उपाध्यक्ष संतोष रोगे, मारेगांव तालुका अध्यक्ष रुपेश ढोके, शहर अध्यक्ष चांद बहादे, तालुका उपाध्यक्ष उदय खिरटकर, रोशन शिंदे, निखिल मेहता, आकाश खामणकर, एडवोकेट योगेंद्र तुराणकर सहित बड़ी संख्या में मनसे कार्यकर्ता मौजूद रहे। मनसे की इस पहल की आम लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। वहीं दूसरी ओर, इस कदम ने एसटी महामंडल और राज्य के परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रों को समय पर और सुरक्षित यात्रा उपलब्ध कराना जिस सरकारी परिवहन व्यवस्था की जिम्मेदारी है, लेकिन इसे निभाने में प्रशासन पूरी तरह असफल रहा है। सरकार की ओर से छात्रों को मुफ्त या रियायती यात्रा देने जैसी बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो की जाती हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों के कई छात्रों को आज भी रोज कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी राजनीतिक दल को अपने खर्चे से या किसी स्वतंत्र योजना के माध्यम से मुफ्त बस सेवा शुरू करनी पड़ रही है, तो करोड़ों रुपये का बजट और जनता से टैक्स लेने वाला एसटी महामंडल आखिर कर क्या रहा है? यह सवाल अब आम नागरिक भी पूछ रहे हैं।

सारा अली खान कल्याण की ब्रांड एम्बेसेडर बनी

मुंबई। कल्याण भारत के भरोसेमंद और बड़े ज्वैलरी ब्रांड में से एक है। ब्रांड ने अभिनेत्री सारा अली खान को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर बनाने की घोषणा की है। अब सारा अली खान कल्याण ज्वैलर्स ब्रांड के एम्बेसेडर्स के खास परिवार का हिस्सा बन गई है, जिसमें श्री अमिताभ बच्चन और सुश्री कैटरीना कैफ पहले से शामिल हैं। सारा के जुड़ने से हर क्षेत्र और हर उम्र के ग्राहकों के साथ कल्याण ज्वैलर्स का रिश्ता अब और भी ज्यादा मजबूत होगा। सारा अली खान कल्याण ज्वैलर्स के आने वाले बड़े विज्ञापनों में नजर आएंगी। वह टेलीविजन, डिजिटल, प्रिंट, आउटडोर और इन-स्टोर जैसे हर प्लेटफॉर्म पर ब्रांड का चेहरा बनेंगी। इन विज्ञापनों में त्योहारों और खास मौकों के लिए तैयार की गई ब्रांड की शानदार ज्वेलरी कलेक्शन्स को खास तौर पर प्रस्तुत किया जाएगा। सारा अली खान आज के युवा कलाकारों के बीच अपनी एक अलग और खास पहचान बना चुकी हैं। लोग उनकी सादगी, सूझबूझ और भारतीय संस्कृति के प्रति उनके गहरे लगाव को बेहद पसंद करते हैं। वह आज की उन भारतीय महिलाओं का चेहरा हैं, जिन्हें अपने व्यक्तित्व पर पूरा विश्वास है, जो अपनी परंपराओं का सम्मान करती हैं और साथ ही अपनी सोच में बिल्कुल मॉडर्न हैं। उनकी यही खूबियाँ कल्याण ज्वैलर्स के इस अटूट विश्वास से बिल्कुल मेल खाती हैं कि स्टाइल भले ही समय के साथ बदल जाए, पर मूल्य हमेशा हमेशा बने रहते हैं। सारा अली खान, फिल्म अभिनेत्री ने कहा, कल्याण ज्वैलर्स ने गुणवत्ता, बेहतरीन कारीगरी और पारदर्शी काम के प्रति अपने अटूट भरोसे की बदौलत कई पीढ़ियों का दिल जीता है। मेरे लिए, ज्वैलरी का हर एक पीस बहुत खास और व्यक्तिगत होता है - यह यादों को समेटे रखता है, रिश्तों का जश्न मनाता है और जिंदगी के सबसे खूबसूरत मौकों का हिस्सा बनता है।

किआ इंडिया ने 'प्रोजेक्ट बकल-अप' के तीसरे चरण की शुरूआत की

मुंबई। देश की प्रमुख मास-प्रीमियम वाहन निमार्ता कंपनियों में शामिल किआ इंडिया ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'प्रोजेक्ट बकल-अप' का विस्तार करते हुए द सोशल लैब (टीएसएल) फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में हुए इस समझौते के साथ प्रोजेक्ट बकल-अप का तीसरा चरण शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में किआ इंडिया ने राज्य में सड़क सुरक्षा से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने को लेकर अपनी दीर्घकालिक सोच और प्रतिबद्धता पर भी चर्चा की। इस साझेदारी के साथ 'प्रोजेक्ट बकल-अप' का तीसरा चरण शुरू हो गया है और इसके तहत देहरादून-मसूरी हाईवे पर चिन्हित स्थानों पर स्मार्ट सोलर सेंसर स्ट्रीटलाइट लगाई जाएंगी। इनका उद्देश्य रात में और खराब मौसम के दौरान दृश्यता बढ़ाकर स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना है। यह पहल उत्तराखंड के सड़क सुरक्षा प्रयासों को भी मजबूती देगी। इस पहल पर उत्तराखंड सरकार ने कहा, २उत्तराखंड सरकार 'बकल-अप' सड़क सुरक्षा पहल के माध्यम से राज्य की सड़कों को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में किआ इंडिया की प्रतिबद्धता का स्वागत करती है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु और पर्यटक उत्तराखंड आते हैं। ऐसे में सड़क सुरक्षा केवल बुनियादी ढांचे का विषय नहीं, बल्कि हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। सरकार, उद्योग और सामाजिक संगठनों के बीच साझेदारी से ही लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा दिया जा सकता है। हमें खुशी है कि किआ इंडिया और टीएसएल फाउंडेशन इस पहल में राज्य सरकार के साथ जुड़े हैं। आने वाले वर्षों में इस सहयोग को और मजबूत कर पूरे राज्य में सुरक्षित एवं जिम्मेदार यातायात की संस्कृति विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। किआ इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) अतुल सूद ने कहा, हमारा मानना है कि मोबिलिटी का उद्देश्य केवल लोगों और स्थानों को जोड़ना नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। इसलिए हमारी जिम्मेदारी केवल सुरक्षित वाहन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित सड़कें, मजबूत समुदाय और प्रभावी साझेदारियां विकसित करना भी है।

एचपीसीएल ने अपने रिटेल नेटवर्क में इथेनॉल गुणवत्ता निगरानी को और किया मजबूत

मुंबई। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने देशभर में अपने ईंधन गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ करते हुए अपने रिटेल आउटलेट नेटवर्क पर इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की व्यापक जांच और परीक्षण किए हैं। यह पहल ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। 7 से 13 जुलाई 2026 के बीच एचपीसीएल के फील्ड अधिकारियों ने देशभर के 2,173 रिटेल आउटलेट्स पर आकस्मिक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया कि पेट्रोल में निर्धारित मानकों के अनुरूप इथेनॉल मिश्रण किया गया है। इसके अतिरिक्त, 3 से 13 जुलाई 2026 के दौरान कंपनी के नियमित गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत 1,385 नियमित निरीक्षण भी किए गए। गुणवत्ता निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एचपीसीएल के गुणवत्ता आश्वासन (एंटी-एडल्टरेशन) प्रकोष्ठ ने 93 अतिरिक्त आकस्मिक निरीक्षण किए। साथ ही, कंपनी की मोबाइल प्रयोगशालाओं के माध्यम से 49 ईंधन नमूनों की जांच की गई। इस व्यापक निगरानी अभियान के दौरान पूरे रिटेल नेटवर्क में ईंधन में मिलावट, संदूषण, किसी भी प्रकार की गंभीर अनियमितता अथवा गुणवत्ता मानकों के उल्लंघन का कोई मामला सामने नहीं आया।

एचपीसीएल ईंधन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत बहु-स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन प्रणाली का पालन करता है, जिसमें नियमित फील्ड निरीक्षण, आकस्मिक जांच, प्रयोगशाला परीक्षण तथा निरंतर निगरानी शामिल है। इन सभी उपायों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि एचपीसीएल के रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध कराया जाने वाला ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हो। यह व्यवस्था देशभर के ग्राहकों को सुरक्षित, विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाला ईंधन उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाती है।

फिक्की लेजेंड्स सीरीज, मुंबई में डॉ. आर. ए. माशेलकर का मंत्र 'More from Less for More' ही भारत को बनाएगा किफायती उत्कृष्टता

डीप-टेक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और समावेशी नवाचार ही विकसित भारत 2047 की आधारशिला होंगे : डॉ. आर. ए. माशेलकर

मुंबई। यदि भारत ऐसी प्रौद्योगिकियों और समाधानों का विकास करे जो विश्वस्तरीय होने के साथ-साथ किफायती हों और करोड़ों लोगों तक पहुंच सकें, तो डीप-टेक (Deep-Tech), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और समावेशी नवाचार (Inclusive Innovation) विकसित भारत 2047 के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बन सकते हैं। यह विचार पद्म विभूषण, रॉयल सोसाइटी के फेलो तथा वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (उरक्फ) के पूर्व महानिदेशक डॉ. रघुनाथ ए. माशेलकर ने मुंबई में आयोजित फिक्की लेजेंड्स सीरीज के अंतर्गत "Winning Through Innovation: Lessons for Industry and Society" विषय पर व्याख्यान देते हुए व्यक्त किए।

उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, उद्यमियों, नीति-निमार्ताओं, वैज्ञानिकों, शोधकताओं और नवाचार विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए डॉ. माशेलकर ने कहा कि भारत को अब वैश्विक तकनीकों का केवल उपभोक्ता बनने के बजाय डीप साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सरकार-उद्योग की सशक्त साझेदारी के माध्यम से विश्वस्तरीय नवाचारों का सृजनकर्ता बनना होगा। अपनी विश्वप्रसिद्ध अवधारणा "More from Less for More" पर प्रकाश डालते हुए डॉ. माशेलकर ने कहा कि भारत के सामने सबसे बड़ा अवसर ऐसे उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के विकास का है, जो कम संसाधनों में बेहतर प्रदर्शन करें तथा करोड़ों लोगों के लिए किफायती और सुलभ हों। उन्होंने कहा कि अब नवाचार का मूल्यांकन केवल तकनीकी जटिलता या महंगे उत्पादों के आधार पर नहीं, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों का व्यापक स्तर पर समाधान किस प्रकार करता है। उत्कृष्टता, किफायत और समावेशिता–जो कभी एक-दूसरे के विपरीत मानी जाती थीं–आज भारत के नवाचार मॉडल की तीन प्रमुख आधारशिलाएं बननी चाहिए। डॉ. माशेलकर ने कहा कि भारत ने सीमित संसाधनों के बावजूद अनेक क्रांतिकारी नवाचार विकसित कर यह सिद्ध किया है कि वैश्विक स्तर की तकनीकें कम लागत पर भी तैयार की जा सकती हैं। उन्होंने किफायती स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, एआई आधारित रोग पहचान और डीप-टेक स्टार्टअप्स का उल्लेख करते हुए कहा कि स्मार्टफोन आधारित टीबी जांच, थर्मल इमेजिंग से स्तन कैंसर की स्क्रीनिंग, डिजिटल मातृ स्वास्थ्य प्लेटफॉर्म और बिना रक्त निकाले एनीमिया की जांच जैसी तकनीकें "More from Less for More" की अवधारणा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। भारतीय उद्योग जगत का आह्वान करते हुए डॉ. माशेलकर ने कहा कि अब समय केवल वैश्विक तकनीकों को अपनाने का नहीं, बल्कि दुनिया के लिए नई कार्य-पद्धतियां विकसित करने का है। उन्होंने भारत की डिजिटल क्रांति, सस्ती डेटा सेवाओं, डीप-टेक उद्यमिता तथा ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि इन क्षेत्रों में भारत ने वैश्विक नेतृत्व की क्षमता प्रदर्शित की है।

यूजीसी से मंजूरी मिलने के बाद इलेनॉइस टेक मुंबई में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

मुंबई। अमेरिका के अग्रणी प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान आधारित विश्वविद्यालयों में शामिल इलेनॉइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन से लेटर ऑफ अप्रूवल प्राप्त हो गया है। इसके साथ ही मुंबई कैंपस में पहले शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। यूजीसी की मंजूरी मिलने के बाद इलेनॉइस टेक मुंबई सितंबर 2026 से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रों का औपचारिक पंजीकरण शुरू कर सकेगा। भारत तेजी से डिजिटल परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। वहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बढ़ते निवेश के कारण उन्नत तकनीकी कौशल, वैश्विक दृष्टिकोण और उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इलेनॉइस टेक मुंबई की स्थापना की गई है। यह कैंपस भारतीय छात्रों को प्रौद्योगिकी-केंद्रित शिक्षा, अंतर्विषयक (इंटरडिसिप्लिनरी) अध्ययन, अनुभवात्मक शिक्षण और उद्योग जगत के साथ मजबूत सहयोग पर आधारित शिक्षा उपलब्ध कराएगा। इलेनॉइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के उपाध्यक्ष मल्लिक सुंदरम ने कहा, इलेनॉइस टेक मुंबई वैश्विक उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी पहल है। भारत नवाचार और प्रौद्योगिकी के वैश्विक केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है और ऐसे समय में छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा के साथ भारत के गतिशील नवाचार इकोसिस्टम का अनुभव मिलना बेहद जरूरी है। भारत में प्रौद्योगिकी-केंद्रित अमेरिकी शिक्षा उपलब्ध कराकर हम छात्रों को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त अमेरिकी डिग्री हासिल करने का अवसर दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्हें अंतर्विषयक शिक्षा, अनुभव आधारित सीखने और उद्योग जगत के साथ करीबी सहयोग का लाभ भी मिलेगा। हमारे स्नातक तकनीकी विशेषज्ञता, उद्यमशील सोच और वैश्विक दृष्टिकोण से सुसज्जित होंगे, ताकि वे नवाचार का नेतृत्व कर सकें, भारत की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें, तथा दुनिया भर की बहुराष्ट्रीय संस्थाओं और उभरती हुई प्रौद्योगिकी कंपनियों में सफलतापूर्वक कार्य कर सकें।

नीट सीबीटी की तैयारी के लिए लॉन्च हुआ भारत का पहला नीट रेडी लैपटॉप

पटना। एसर, इंटेल और श्री चैतन्या एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स की पहल इन्फिनिटी लर्न ने नीट 2027 के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप को ध्यान में रखते हुए भारत का पहला नीट रेडी लैपटॉप और इंटीग्रेटेड नीट रेडी इकोसिस्टम पेश किया है। इसका उद्देश्य छात्रों को डिजिटल तैयारी के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सहायता उपलब्ध कराना है। यह समाधान एसर के एस्पायर सीरीज लैपटॉप, इंटेल प्रोसेसर और इन्फिनिटी लर्न के एआई आधारित नीट प्रिपरेशन इकोसिस्टम को एक साथ जोड़ता है। इसमें इन्फिनिटी लर्न ऐप, एआई मेंटर एआईएनए, लाइव एवं रिकॉर्डेड क्लासेस, स्टडी मटेरियल, चैप्टर-वाइज प्रैक्टिस, मॉक टेस्ट, टेस्ट सीरीज, परफॉर्मेंस एनालिटिक्स तथा नीट सीबीटी सिमुलेशन जैसी सुविधाएं पहले से उपलब्ध हैं,